राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार,03 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–306 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## खदान धंसने से 6 लोगों की मौत

### छत्तीसगढ़ में हुआ हादसा, मरने वालों में 5 महिलाएं और 1 पुरुष,2 घायलों में 14 साल की लड़की भी शामिल

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में स्थित एक छुई खदान धंसने से वहां काम कर रहे 6 मजदूरों की दबने से मौत हो गई। मृतकों में 5 महिलाएं और 1 पुरुष शामिल है। दो घायलों में एक 14 साल की लड़की भी शामिल है। दोनों का नजदीकी अस्पताल में इलाज जारी है। दोनों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। मलबे के नीचे कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका के चलते रेस्क्यू टीम ने काफी देर तक मलबा हटाकर सर्चिंग अभियान चलाया। मलबा हटाने के बाद वहां कोई और लोगों के नहीं दबे होने की पुष्टि होने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन बंद किया गया है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके से रवना हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक खदान मालगांव में स्थित है। इस खदान में अवैध उत्खनन का काम चल रहा था। गांव के कुछ लोग खदान के नीच उतरकर मिट्टी निकाल रहे तभी अचानक जमीन धंस गई। वहां नीचे मौजूद लोग दब गए। पास में ही खड़े अन्य मजदूरों ने इसकी जानकारी फौरन प्रशासन को दी। मौके पर NDRF और SDRF की टीम पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चलाया। मलबे में दबे लोगों को निकालकर तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती

कराया गया, जहां 7 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। दो घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस हादसे में मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। खदान में कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका पर टीम लगातार रेस्क्यू अभियान चला रही है। मृतकों के नाम कमली, समली, रामेश्वर, शांति, कुमारी, शैतो, घायलों के नाम मनमती, पूर्णिमा आदि शामिल हैं। दरअसल, मालगांव में जिस जगह पर हादसा हुआ है वहां पर ग्रामीणों ने मुरुम खोद कर करीब 10 फीट लंबी सुरंग बना दी थी। अंदर से रोज छुई मिट्टी निकालते थे। शुक्रवार की दोपहर भी गांव वाले मिट्टी निकाल रहे थे। इस दौरान अचानक मिट्टी धंस गई। जिससे अंदर मौजूद ग्रामीण फंस गए और उनकी मौत हो गई। मालगांव में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से छुई मिट्टी निकालने उत्खनन जारी था। इलाके के लोग रोजाना यहां से मिट्टी निकालकर अपने घरेलू काम के लिए लेते थे। ऐसा बताया जा रहा है कि, इस जगह पर करीब सालभर से छुई मिट्टी निकालने का काम जारी था। इसकी जानकारी प्रशासन को भी नहीं थी। इस हादसे के बाद ग्रामीणों को खनन करने के लिए मना कर दिया गया है।

## संक्षिप्त

### ईडी के दफ्तर पहुंचीं नोरा फतेही

मुम्बई। बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही को 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के लिए ED (इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट) के ऑफिस बुलाया गया है। नोरा दिल्ली स्थित ED ऑफिस पहुंच गई हैं। इस मामले में उनसे पहले भी कई बार पूछताछ हो चुकी है। उस दौरान नोरा ने जांच एजेंसी को बताया था कि उनके जीजा बॉबी को ठग सुकेश चंद्रशेखर ने 65 लाख रुपए की इटह कार गिफ्ट की थी। वो सुकेश से हमेशा वॉट्सऐप के जरिए ही बातचीत करती थीं। मनी लॉन्ड्रिंग केस के बारे में बात करते हुए स्पेशल कमिश्नर रविंद्र यादव ने बताया था कि सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी का चेन्नई में एक स्टूडियो है, जिसके फंक्शन के लिए नोरा को बुलाया गया था। इस दौरान नोरा से कहा गया था कि वे वहां पर आने के लिए फीस न लें और इसके बदले एक कार गिफ्ट में लें। फिर नोरा ने इस बारे में बात करते हुए कहा था कि जब सुकेश ने बार-बार फोन किया तो उन्हें शक हुआ। इसके बाद उन्होंने सुकेश से सभी संपर्क तोड़ दिए। मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 सेक्शन 50(2) और 50(3) के तहत नोरा का स्टेटमेंट रिकॉर्ड किया गया था। इसमें उन्होंने खुद पर लगे आरोपों को गलत बताया था। हालांकि नोरा इस केस की सरकारी गवाह बन चुकी हैं।

### ट्रेन कॉर्नर सीट पर बैठा था यात्री, गर्दन में घुसी लोहे की रॉड

**अलीगढ़।** दिल्ली से आ रही नीलांचल एक्सप्रेस में सवार सुल्तानपुर के एक यात्री की सोमना और डांबर रेलवे स्टेशन के बीच लोहे की रॉड गर्दन में घुस जाने से मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेन में खलबली मच गई। रेलवे स्टेशन पर यात्री के शव को उतार लिया गया। यात्री की पहचान सुल्तानपुर के हरिकेश दुबे पुत्र संतराम निवासी गोपीनाथपुर सुल्तानपुर के रूप में हुई है। वे दिल्ली से सफर कर रहे थे। घटना के बाद रेलवे अफसर घटनास्थल पर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि घटनास्थल पर रेलवे के स्तर से निर्माण कार्य हो रहा था। इसी दौरान लोहे की रॉड ट्रेन के कोच के शीशे को तोड़ते हुए सीट पर सवार यात्री की गर्दन में जा घुसी। जिससे युवक की मौत हो गई।

## राजधानी की हवा 'जहरीली'

### तापमान में आई गिरावट, सांसों का संकट बरकरार, जानें आज का एक्यूआई

नई दिल्ली। दिल्ली और आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण का लेवल एक बार फिर खराब से बेहद खराब श्रेणी में बना हुआ है। आज यानी शुक्रवार की सुबह पूरा दिल्ली-एनसीआर धुंध की चादर में लिपटा नजर आया। कई इलाकों में धुंध की परत इतनी मोटी थी कि विजिबिलिटी शून्य के आसपास आ गई थी। दूर-दूर तक कोई दिखाई नहीं दे रहा था सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के अनुसार दिल्ली में AQI 342 (बहुत खराब) श्रेणी में है। आपको बता दें कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की मुख्य वजह हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश में किसानों द्वारा जलाई जा रही पराली को माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि पराली का धुआं हवा के साथ बहकर दिल्ली की वातावरण को दूषित कर रहा है। हालांकि सरकार इस दिशा में लंबे समय से काम कर रही है। लेकिन अभी अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। दिल्ली में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस बीच दिल्ली में अब सर्दी बढ़ने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में सर्दी और बढ़ेगी और तापमान में कमी आएगी। इस दौरान कोहरे का प्रकोप भी बढ़ेगा मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक 7 दिसंबर तक दिल्ली का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। वहीं अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आस-पास ही रहेगा। नोएडा और गुरुग्राम में भी मौसम कमोबेश दिल्ली जैसा ही रहेगा। दूसरी तरफ वायु मानक एजेंसियों का पूवार्नुमान है कि शुक्रवार को तापमान लुढ़कने से प्रदूषकों को जमने में मदद मिलेगी ऐसे में हवा की गुणवत्ता और खराब होगी। दिल्ली में सर्दी की शुरूआत और बिगड़ती हवा की गुणवत्ता ने सुबह राष्ट्रीय राजधानी को धुंध की परत में ढक दिया। राष्ट्रीय राजधानी में आज सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 342 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। कश्मीर में शीतलहर के बीच कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ऐसे में पहाड़ों से आने वाली सर्द हवाएं मैदानी इलाकों में ठिठुरन बढ़ाएंगी। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि सप्ताह के अंत तक दिल्ली का न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा। दिल्ली में अगले कुछ दिनों में जबरदस्त ठंड पड़ने वाली है। मौसम विभाग ने कहा है कि आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजधानी में पारा 6 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़कने के आसार हैं। वहीं दक्षिण भारत के राज्यों कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और लक्षद्वीप में अगले 4 से 5 दिनों तक बारिश का अनुमान है।

## अखिलेश पर बरसे सीएम योगी, डिंपल को बताया बेचारी

**मैनपुरी।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मैनपुरी के क्रिश्चियन मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उनके निशाने पर समाजवादी पार्टी और सैफई परिवार ही रहा। सीएम योगी ने कहा कि ये जेपी का समाजवाद नहीं है। लोहिया का समाजवाद भी नहीं। सैफई परिवार में समाजवाद के कई ब्रांड हैं। शिवपाल का समाजवाद, जिसकी लाठी उसकी भैंस यानी लठैत समाजवाद है। रामगोपाल यादव का समाजवाद पूंजीवाद में बदल गया है। अखिलेश यादव का समाजवाद अवसरवादी है। सीएम योगी ने कहा कि जब भी समाजवादी पार्टी चुनाव हारती है, बेचारी डिंपल को आगे कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में सैफई परिवार से मुक्ति पाने का अवसर है। मैनपुरी को समाजवादी नहीं रामराज्य चाहिए। सीएम योगी ने सभा में आए लोगों से भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य के समर्थन में वोट करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मैनपुरी की जनता का उत्साह देख समाजवादी पार्टी बौखला गई है। सपा जब भी चुनाव हारती है, बहाना बनाती है। कभी ईवीएम को तो कभी चुनाव आयोग को। कभी भाजपा के नेताओं को, कभी प्रशासन-पुलिस को दोषी ठहराकर बहाना ढूढ लेती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के लोगों ने अपना विकास किया। अपने परिवार का विकास किया। मुख्यमंत्री योगी से पहले केंद्रीय राज्यमंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मेरे सपने में मुलायम सिंह आए थे। उन्होंने कहा था कि तुमने और रघुराज ने मेरा अपमान उतना नहीं किया, जितना अखिलेश ने अध्यक्ष पद से हटाकर मेरा अपमान किया। भाजपा को जिताकर मेरे अपमान का बदला लेना।

## पाटन से प्रधानमंत्री मोदी का प्रहार

### 'चुनाव के समय मोदी और एश्ट का अपमान करना कांग्रेस की खासियत'

अहमदाबाद। गुजरात में पांच दिसंबर को दूसरे चरण का मतदान होना है। कल यानी शनिवार को चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है। ऐसे में भाजपा नेता अपनी पार्टी के लिए धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। पीएम मोदी भी तूफानी प्रचार में जुटे हैं। मोदी ने शुक्रवार को कांकरेज और पाटन में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने विपक्षी पार्टी कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। मोदी ने गुरुवार को 50 किमी लंबा रोड शो किया था। पीएम मोदी ने पाटन में एक जनसभा को संबोधित किया। मोदी ने पाटन में कहा कि कांग्रेस की विशेषता चुनाव के समय मोदी का अपमान करना और मतदान के समय ईवीएम का अपमान करना है। यह इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि कांग्रेस ने इस चुनाव में हार मान ली है। गुजरात के लोगों को बीजेपी पर भरोसा है। मोदी ने आगे कगहा कि गुजरात को विकसित गुजरात बनाने के लिए गुजरात की नारी शक्ति की भूमिका बहुत बड़ी है। पिछले 20 वर्षों में सूखा, बेमौसम, सुजलाम सुफलाम के माध्यम से हरी-भरी धरती बनाने का काम किया है। मोदी ने कहा कि लटकाना और भटकाना कांग्रेस की आदत है। कांग्रेस का स्वभाव है कि वह कोई भी ऐसा काम नहीं करती जिसमें उसका अपना हित न दिखाई देता हो। मोदी ने आगे कहा कि भारत की गौ वंश की विरासत हमारी बहुत बड़ी ताकत है। विपरीत परिस्थितियों में भी हमारी कांकरेज की गाय ने अपना स्वभाव बदल लिया है। मोदी ने सोजित्रा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यही वह भूमि है, जहां सरदार वल्लभभाई पटेल ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सपने को साकार किया। ये मेरा सौभाग्य है कि मुझे दुनिया की सबसे ऊंची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाने का सौभाग्य मिला है। मोदी ने कहा कि भाजपा गुजरात के विकास और विकासशील गुजरात के सपने को लेकर निकली है, आपने इसे सील कर दिया है। पीएम मोदी के गुरुवार को अहमदाबाद रोड शो में 10 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए थे। सूत्रों ने दावा किया है कि पीएम की देश में सबसे बड़े और लंबे रोड शो में 10 लाख से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। 50 किमी से ज्यादा लंबा रोड शो 14 विधानसभा सीट से होकर गुजरा था। रोड शो के दौरान अहमदाबाद की सड़कों पर महिला, पुरुष, युवा और बच्चों का भारी जनसैलाब उमड़ा, जो देर शाम तक जमा रहा।

## ट्रांसजेंडर वकील के लिए नामांकन फीस में छूट की मांग वाली याचिका खारिज

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक याचिका विचार करने से इनकार कर दिया जिसमें ट्रांसजेंडर वकीलों के लिए उस नामांकन शुल्क को माफ करने की मांग की गई थी जो वैधानिक बार निकायों के द्वारा लिया जाता है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मुद्दे न्यायिक समीक्षा के मापदंडों के तहत नहीं आते हैं। चीफ जस्टिस डी. वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने कहा कि न्यायिक समीक्षा के मानदंड संवैधानिक अदालतों को नामांकन शुल्क में छूट जैसे आदेश पारित करने की अनुमति नहीं देते हैं। सीजेआई ने पूछा, आप यह नहीं कह सकते कि केवल आपसे ही नामांकन शुल्क न लिया जाए। केवल ट्रांसजेंडर व्यक्ति ही क्यों, इसे महिलाओं, विकलांगों और हाशिए पर रहने वाले व्यक्तियों तक क्यों न बढ़ा जाए। आपको न्यायिक समीक्षा के मापदंडों को समझना चाहिए। बेंच ने पूछा, केवल कानूनी पेशे में ही इस तरह की शुल्क माफी क्यों? इस तरह की शुल्क माफी को चिकित्सा क्षेत्र में बढ़ाया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा वह याचिका को खारिज कर रहा है।

## बिहार में नीतीश कुमार की सभा में हंगामा, अभ्यार्थियों ने लगाएं मुख्यमंत्री शर्म करो, डूब मरो के नारे

पटना। बिहार में उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां लगातार बढ़ती जा रही है। बिहार के कुढ़नी सीट पर उपचुनाव होने हैं। इसको लेकर भाजपा और महागठबंधन उम्मीदवार आमने-सामने है। इसी कड़ी में आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुढ़नी में चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी सभा में हंगामा हो गया। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सभा में सीटीईटी और बीटीईटी के अभ्यर्थियों ने जमकर नारेबाजी की। उन्होंने मुख्यमंत्री शर्म करो, डूब मरो के साथ-साथ हाय हाय के भी नारे लगाती है। इस दौरान एक-दूसरे पर जमकर कुर्सियां भी चली। नारे को सुनने के बाद नीतीश कुमार के समर्थकों की ओर से अभ्यार्थियों के खिलाफ भी कुर्सियां चलाई गई और उन्हें वहां से भगा दिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है जिसमें लोग कुर्सियां फेंकते दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल इस घटना को लेकर कोई बयान जारी नहीं हुआ है और ना ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस हंगामे पर कुछ बोला है। लेकिन जिस तरीके से इसका वीडियो सामने आया है। वही राजद की ओर से एक वीडियो जारी कर कहा गया है कि कुढ़नी उपचुनाव में माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव साझा जनसभा करने के लिए पहुंचे। इससे पहले कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा था कि लालू जी यहां रहना चाहते थे, लेकिन वह इस समय सिंगापुर में हैं और पांच दिसंबर को गुर्दा प्रतिरोपण के लिए उनका ऑपरेशन होगा।

## यूपी में भी चल रही है जोड़-तोड़ की सियासत! अखिलेश ने महाराष्ट्र की तर्ज पर फेंका बड़ा पासा

लखनऊ। क्या उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी बड़े सियासी उलटफेर को लेकर चुनावी बिसात बिछाई जा रही है। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के 'सौ विधायक लाओ और मुख्यमंत्री बन जाओ' के बयान के बाद सियासी गलियारों में कई तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि राजनीतिक विश्लेषक इसे महज चुनावी तंज ही मानकर चल रहे हैं। सिर्फ सौ विधायक ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के सियासी गलियारों में इन दिनों प्रतीकात्मक तौर पर मुस्लिमों के लिए प्रयोग की जाने वाले 'अब्दुल' की भी सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान ने जब से यह

बयान दिया, 'अब्दुल अब दरी नहीं बिछाएगा, बल्कि पोंछा लगाएगा', तभी से सियासी गलियारों में खासकर मुस्लिम समुदाय में इस बात की चचाएं सबसे ज्यादा हो रही हैं, क्या मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी को बचाने के लिए आजम खान ने इस तरीके का बयान दिया है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि दरअसल उत्तर प्रदेश में बसपा ने कुछ हिस्से में मुस्लिम समुदाय के लोगों को अपने साथ जोड़कर कर समाजवादी पार्टी के राजनैतिक समीकरणों को बिगाड़ने की कोशिश भी की है। इसी वजह से आजम खान का यह बयान सियासी गलियारों में हलचल मचा रहा है। उत्तर प्रदेश में हो रहे विधानसभा और लोकसभा के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने सियासत की बिसात पर सिर्फ अब्दुल का ही दांव नहीं चला है। बल्कि सपा के मुखिया अखिलेश यादव ने भी तंज कसते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के दोनों मुख्यमंत्रियों को सौ-सौ विधायक लाकर मुख्यमंत्री बनाने का वादा कर डाला। उत्तर प्रदेश की सियासत को करीब से समझने वालों का कहना है कि अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्रियों के लिए ऐसा वादा करके सियासी तंज ही कसा है। लेकिन सियासी गलियारों में चर्चा इस बात की भी खूब हो रही है कि अखिलेश यादव ने भले ही तंज कसा हो, लेकिन उन्होंने राजनीतिक परिदृश्य पर जोड़-तोड़ की राजनीति के लिए एक तरह से ओपन ऑफर तो दे ही दिया है। उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि भले ही सौ विधायकों को लाकर मुख्यमंत्री पद का ऑफर अप्रत्याशित सा लगता हो, लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति में कुछ हुआ इस तरह से ही था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संपादकीय

# सार्थक पहल

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और इंडोनेशिया के राजनीतिक, कानूनी एवं सुरक्षा मामलों के समन्वय मंत्री मोहम्मद महफूद की उपस्थिति में इस्लामिक विद्वानों और उलेमाओं के सम्मेलन में इस बात को स्वीकारा गया कि लोकतंत्र में नफरत के लिये कोई जगह नहीं है।

कट्टरता पर प्रहार करे धार्मिक चेतना/ भारत और इंडोनेशिया द्वारा अंतर-धार्मिक शांति एवं सामाजिक सौहार्द की संस्कृति को आगे बढ़ाने की पहल एक स्वागत योग्य कदम है। जरूरत इस बात की है कि सभी धर्मों के पथ-प्रदर्शक प्रगतिशील सोच के साथ लोकतंत्र और राष्ट्रीय सरोकारों को तरजीह दें। निस्संदेह, समाज को अतिवाद से मुक्त करने में इस्लामिक विद्वानों और उलेमाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और इंडोनेशिया के राजनीतिक, कानूनी एवं सुरक्षा मामलों के समन्वय मंत्री मोहम्मद महफूद की उपस्थिति में इस्लामिक विद्वानों और उलेमाओं के सम्मेलन में इस बात को स्वीकारा गया कि लोकतंत्र में नफरत के लिये कोई जगह नहीं है। दोनों ही देशों ने स्वीकार किया कि अभी दुनिया में आईएस समेत कई दिग्भ्रमित संगठनों से प्रेरित आतंकवाद का खतरा टला नहीं है। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की इस बात से सहमत हुआ जा सकता है कि प्रगतिशील विचारों से कट्टरपंथ और चरमपंथ का मुकाबला करने में उलेमा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उलेमा समाज से गहरे तक जुड़े होते हैं, जो लोकतंत्र में पूर्वाग्रह व नफरत की सोच के खिलाफ प्रगतिशील दृष्टिकोण विकसित कर सकते हैं। दरअसल, 'भारत और इंडोनेशिया में अंतर-धार्मिक शांति एवं सामाजिक सौहार्द की संस्कृति को आगे बढ़ाने में उलेमाओं की भूमिका' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन का निष्कर्ष यह भी था कि भ्रांतियों व अलगाव की सोच को दूर करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। जिससे कट्टरता की सोच पर प्रहार किया जा सके। यह जानते हुए कि भारत तथा इंडोनेशिया विगत में आतंकवाद से गहरे तक पीड़ित रहे हैं, यदि इस दिशा में दोनों देश गंभीर व सार्थक पहल करते हैं तो वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत लड़ाई लड़ी जा सकती है। विगत के अनुभव बताते हैं कि धार्मिक कट्टरता के जरिये युवाओं को बरगलाकर आतंकवाद को सींचा जाता रहा है। इससे न केवल उन युवाओं का भविष्य खराब होता है बल्कि उनका इस्तेमाल निर्दोष लोगों को निशाना बनाने के लिये किया जाता है। निस्संदेह, दुनिया के हर धर्म का लक्ष्य किसी भी समाज में शांति, सौहार्द और सहिष्णुता को संबल देना ही होता है। ऐसे में यदि उसका उपयोग निहित स्वार्थों के लिये होता है, तो किसी भी धर्म के प्रगतिशील व प्रभावी लोगों को इस दिशा में पहल करके समाज में सौहार्द को अक्षुण्ण रखना चाहिए। निस्संदेह लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा व देश में शांति स्थापना में धार्मिक गुरुओं की निर्णायक भूमिका हो सकती है। वे दिग्भ्रमित व कट्टर सोच वाले तत्वों को राष्ट्र की मुख्यधारा में लाने का काम कर सकते हैं। दुनिया के सबसे बड़े इस्लामिक देश इंडोनेशिया और दूसरी बड़ी मुस्लिम आबादी वाले देश भारत की तरफ से होने वाली इस रचनात्मक पहल के दूरगामी व सार्थक परिणाम सामने आ सकते हैं। बशर्ते सत्ताधीश इस दिशा में ईमानदार पहल करें। साथ ही यह विचार केवल सेमिनारों व संगोष्ठियों तक ही सीमित न रह जाये। इसे व्यावहारिक अमलीजामा पहनाने के लिये बड़े पैमाने पर कार्य किया जाये। सामाजिक संस्थाएं और समाज के बुद्धिजीवी इस दिशा में रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। भारत जैसा देश जो सीमा पार से लगातार आतंकवाद की चुनौती का सामना करता रहा है, उसका प्रतिकार करने में देश के नागरिक प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। उन्हें राष्ट्र को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा और सीमापार से रची जा रही साजिशों को नाकाम करना होगा। देश में अमन-चैन हमारी रोजी-रोटी और देश की अर्थव्यवस्था की स्वाभाविक प्रगति के लिये अनिवार्य शर्त है। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि आतंक की पाठशाला बने देशों से आने वाले चरमपंथियों का खतरा अभी टला नहीं है।

## सूक्ति

पृथ्वी पर तीन रत्न हैं। जल अन्न और सुभाषित लेकिन अज्ञानी पत्थर के टुकड़े को ही रत्न कहते हैं। कालिदास

ईश्वर ने संसार को कर्म प्रधान बना रखा है इसमें जो मनुष्य जैसा कर्म करता है उसको वैसा ही फल प्राप्त होता है। - गोस्वामी तुलसीदास

## लॉफिंग ज़ोन

मेहमान, 'मैं कल जा रहा हूं। आपको कुछ बुरा तो लग रहा होगा।'

मेजबान, 'जी हां, लग तो रहा है। मैंने सोचा था कि आप आज ही चले जाएंगे।'

□ □ □

अध्यापक, 'कारण और परिणाम का बहुत गहरा संबंध हैं और यह तो सब जानते ही हैं कि बगैर मुर्गी के अंडा पैदा नहीं कर सकता।'

बंटू (बात को काटते हुए), 'मेरे पिताजी कर सकते हैं।'

अध्यापक, 'कैसे ?'

बंटू, 'उन्होंने जो बतख जो पाल रखी हैं।'

□ □ □

नौकर (मालिक से), 'अब मैं यहां काम नहीं करूंगा। मुझे यहां ऐसा खाना मिलता है जिस कुत्ते भी नहीं खा सकते।' मालिक, 'ठीक है, अब से तुम्हें ऐसा खाना दिया जाएगा जिसे कुत्ते खा सकते हों।'

□ □ □

एक मूर्ख किसी भी हंसने वाली बात पर तीन बार हंसता था। किसी ने कारण पूछा तो वह बोला, 'पहली बार मैं आप हंसता हूं। दूसरी बार तब हंसता हूं जब बात मेरी समझ में आ जाती है और तीसरी बार तब हंसता हूं जब मुझे अपनी बेवकूफी की याद आती है।'

# 38 वर्षों बाद भी हरे हैं गैस त्रासदी पीड़ितों के जख्म

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

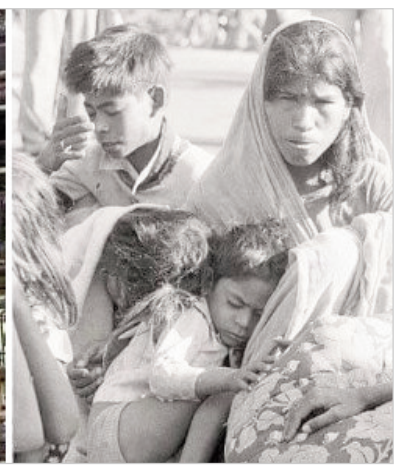

- भोपाल गैस त्रासदी दिवस (3 दिसम्बर) पर विशेष

मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में वर्ष 1984 में हुई भयानक गैस त्रासदी की घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा। भोपाल गैस कांड को 38 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीड़ित होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं। यह हादसा पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाला था कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया और उनका अंतिम संस्कार किया गया जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा और आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे। एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 38 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हो रहे हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे।

हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। कारखाने के टैंक संख्या 610 में निर्धारित मात्रा से ज्यादा एमआईसी गैस भरी हुई थी और गैस का तापमान निर्धारित 4.5 डिग्री के स्थान पर 20 डिग्री था। पाइप की सफाई करने वाले हवा के वेंट ने काम करना बंद कर दिया था। इसके अलावा बिजली का बिल बचाने के लिए मिक को कूलिंग स्तर पर रखने के लिए बनाया गया फ्रीजिंग प्लांट भी बंद कर दिया गया था। 3 दिसम्बर 1984 को इस कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का जो रिसाव हुआ उसका एक बड़ा कारण माना गया कि टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के साथ पानी मिल जाने से रासायनिक प्रक्रिया होने के परिणामस्वरूप टैंक में दबाव बना और टैंक का अंदरूनी तापमान 200 डिग्री के पार पहुंच गया जिससे धमाके के साथ टैंक का सेफ्टी वाल्व उड़ गया था और यह जहरीली गैस देखते ही देखते पूरे वायुमंडल में फैल गई। अचानक हुए जहरीली गैस के इस रिसाव से बने गैस के बादल हवा के झोंके के साथ वातावरण में फैल गए और इसकी चपेट में आने वाले लोग मौत की नींद सोते गए। मिक के रिसाव के उपरांत गैस के बादल में फोस्जीन हाइड्रोजन सायनाइड कार्बन मोनो-ऑक्साइड हाइड्रोजन क्लोराइड इत्यादि के अवशेष भी पाए गए थे। जिन लोगों के फेंफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? गैस के कारण लोगों की आंखों और सांस लेने में परेशानी हो रही थी सिर चकरा रहा था बहुतों को कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। हजारों लोगों के एकाएक अस्पतालों में पहुंचने से डॉक्टरों को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था कि जहरीली गैस से पीड़ित इतने सारे लोगों का किस प्रकार और क्या इलाज किया जाए क्योंकि उनके पास भी मिक गैस से पीड़ित लोगों के इलाज का कोई अनुभव नहीं था। वे इस रासायनिक आपदा के उपचार के लिए पूर्ण रूप से तैयार नहीं थे। भले ही गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु हकीकत यह है कि इस गैस त्रासदी के 38 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है। हादसे से पर्यावरण को भी ऐसी क्षति पहुंची जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का इस पूरे मामले में रूख संवेदनहीन ही रहा है। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। विभिन्न रिपोर्टों में बताया जाता रहा कि यूनियन कार्बाइड संयंत्र के आसपास की 32 बस्तियों का भूजल प्रदूषित है और यह सरकारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही रही कि गैस पीड़ित वर्ष 2014 तक इसी प्रदूषित भूजल को पीते रहे। हालांकि वर्ष 2014 में इन क्षेत्रों में पानी की पाइपलाइन डाली गई लेकिन तब तक जहरीले रसायन लोगों के शरीर में गहराई तक घुल चुके थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हालांकि यूनियन कार्बाइड कारखाने के कुछ टन कचरे का निस्तारण इन्दौर के पास पीथमपुर में किया जा चुका है लेकिन पर्यावरण पर उसका क्या असर पड़ा यह एक रहस्यमयी पहेली है। यहां जहरीली गैसों का खतरा अभी भी बरकरार है क्योंकि उस त्रासदी के कई टन जहरीले कचरे का निस्तारण अब भी एक बड़ी चुनौती है जो हादसे की वजह बने यूनियन कार्बाइड कारखाने में कवर्ड शेड में मौजूद है। इसके खतरे को देखते हुए यहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित है। जहरीली गैस के कारखाने से निकले इस खतरनाक कचरे के निपटान के लिए सरकार कोई गंभीर प्रयास नहीं कर पाई है और करीब 38 सालों से पड़ा यह कचरा कारखाने के आसपास की जमीन जल और वातावरण को प्रदूषित कर रहा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

# 3 दिसंबर- विश्व विकलांग दिवस

3 दिसंबर/ लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

हर साल 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकलांग व्यक्तियों का अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाने की शुरुआत हुई थी और 1992 से संयुक्त राष्ट्र के द्वारा इसे अंतरराष्ट्रीय रीति-रिवीज़ के रुप में प्रचारित किया जा रहा है। विकलांगों के प्रति सामाजिक कलंक को मिटाने और उनके जीवन के तौर-तरीकों को और बेहतर बनाने के लिये उनके वास्तविक जीवन में बहुत सारी सहायता को लागू करने के द्वारा तथा उनको बढ़ावा देने के लिये साथ ही विकलांग लोगों के बारे में जागरुकता को बढ़ावा देने के लिये इसे सालाना मनाने के लिये इस दिन को खास महत्व दिया जाता है। 1992 से इसे पूरी दुनिया में ढ़ेर सारी सफलता के साथ इस वर्ष तक हर साल से लगातार मनाया जा रहा है।

समाज में उनके आत्मसम्मान सेहत और अधिकारों को सुधारने के लिये और उनकी सहायता के लिये एक साथ होने के साथ ही लोगों की विकलांगता के मुद्दे की ओर पूरे विश्वभर की समझ को सुधारने के लिये इस दिन के उत्सव का उद्देश्य बहुत बड़ा है। जीवन के हरेक पहलू में समाज में सभी विकलांग लोगों को शामिल करने के लिये भी इसे देखा जाता है जैसे राजनीतिक आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक। इसी वजह से इसे 'विश्व विकलांग दिवस' के शीर्षक के द्वारा मनाया जाता है। विश्व विकलांग दिवस का उत्सव हर साल पूरे विश्वभर में विकलांग लोगों के अलग-अलग मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करता है।

**इतिहास**

वर्ष 1976 में संयुक्त राष्ट्र आम सभा के द्वारा 'विकलांगजनों के अंतरराष्ट्रीय वर्ष' के रुप में वर्ष 1981 को घोषित किया गया था। अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर विकलांगजनों के लिये पुनरुद्धार रोकथाम प्रचार और बराबरी के मौकों पर जोर देने के लिये योजना बनायी गयी थी। समाज में उनकी बराबरी के विकास के लिये विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों के बारे में लोगों को जागरुक करने के लिये सामान्य नागरिकों की तरह ही उनके सेहत पर भी ध्यान देने के लिये और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिये 'पूर्ण सहभागिता और समानता' का थीम विकलांग व्यक्तियों के अंतरराष्ट्रीय वर्ष के उत्सव के लिये निर्धारित किया गया था।

सरकारी और दूसरे संगठनों के लिये निर्धारित समय-सीमा प्रस्ताव के लिये संयुक्त राष्ट्र आम सभा के द्वारा 'विकलांग व्यक्तियों के संयुक्त राष्ट्र दशक' के रुप में वर्ष 1983 से 1992 को घोषित किया गया था जिससे वो सभी अनुशंसित क्रियाकलापों को ठीक ढंग से लागू कर सकें।

**कैसे मनाया जाता है**

उनकी सहायता और नैतिकता को बढ़ाने के लिये साथ ही साथ विकलांगजनों के लिये बराबरी के अधिकारों को सक्रियता से प्रसारित करने के लिये उत्सव के लिये पूरी दुनिया से लोग उत्साहपूर्वक योगदान देते हैं। कला प्रदर्शनी के आयोजन के द्वारा इस महान उत्सव को मनाया जाता है जो उनकी क्षमताओं को दिखाने के लिये विकलांग लोगों के द्वारा बनायी गयी कलाकृतियों को बढ़ावा देता है।

समाज में विकलांगजनों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरुकता को बढ़ाने के साथ ही विकलांग लोगों की कठिनाईयों की ओर लोगों का ध्यान खींचने के लिये विरोध क्रियाओं में सामान्य लोग भी शामिल होते हैं।

**लक्ष्य**

इस उत्सव को मनाने का महत्वपूर्ण लक्ष्य विकलांगजनों के अक्षमता के मुद्दे की ओर लोगों की जागरुकता और समझ को बढ़ाना है। समाज में उनके आत्म-सम्मान लोक-कल्याण और सुरक्षा की प्राप्ति के लिये विकलांगजनों की सहायता करना।

जीवन के सभी पहलुओं में विकलांगजनों के सभी मुद्दे को बताना। इस बात का विश्लेषण करें कि सरकारी संगठन द्वारा सभी नियम और नियामकों का सही से पालन हो रहा है य नहीं।

समाज में उनकी भूमिका को बढ़ावा देना और गरीबी घटाना बराबरी का मौका प्रदान कराना उचित पुनर्सुधार के साथ उन्हें सहायता देना। उनके स्वास्थ्य सेहत शिक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा पर ध्यान केन्द्रित करना।

**मनाना क्यों आवश्यक है**

ज्यादातर लोग ये भी नहीं जानते कि उनके घर के आस-पास समाज में कितने लोग विकलांग हैं। समाज में उन्हें बराबर का अधिकार मिल रहा है कि नहीं। अच्छी सेहत और सम्मान पाने के लिये तथा जीवन में आगे बढ़ने के लिये उन्हें सामान्य लोगों से कुछ सहायता की ज़रुरत है । लेकिन आमतौर पर समाज में लोग उनकी सभी ज़रुरतों को नहीं जानते हैं। आँकड़ों के अनुसार ऐसा पाया गया है कि लगभग पूरी दुनिया के 15त्न लोग विकलांग हैं।

इसलिये विकलांगजनों की वास्तविक स्थिति के बारे में लोगों को जागरुक करने के लिये इस उत्सव को मनाना बहुत आवश्यक है। विकलांगजन 'विश्व की सबसे बड़ी अल्पसंख्यकों' के तहत आते हैं और उनके लिये उचित संसाधनों और अधिकारों की कमी के कारण जीवन के सभी पहलुओं में ढ़ेर सारी बाधाओं का सामना करते हैं।

(चिंतन-मनन)

# गुरु का पाठ

गंगा के किनारे बने एक आश्रम में महर्षि मुद्गल अपने अनेक शिष्यों को शिक्षा प्रदान किया करते थे। उन दिनों वहां मात्र दो शिष्य अध्ययन कर रहे थे। दोनों काफी परिश्रमी थे। वे गुरु का बहुत आदर करते थे। महर्षि उनके प्रति समान रूप से स्नेह रखते थे। आखिर वह समय भी आया जब दोनों अपने-अपने विषय के पारंगत विद्वान बन गए। मगर इस कारण दोनों में अहंकार आ गया। वे स्वयं को एक-दूसरे से श्रेष्ठ समझने लगे। एक दिन महर्षि स्नान कर पहुंचे तो देखा कि अभी आश्रम की सफाई भी नहीं हुई है और दोनों शिष्य सोकर भी नहीं उठे हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं होता था। महर्षि ने जब दोनों को जगाकर सफाई करने को कहा तो दोनों एक-दूसरे को सफाई का आदेश देने लगे। एक बोला-मैं पूर्ण विद्वान हूं। सफाई करना मेरा काम नहीं है। इस पर दूसरे ने जवाब दिया-मैं अपने विषय का विशेषज्ञ हूं। मुझे भी यह सब शोभा नहीं देता। महर्षि दोनों की बातें सुन रहे थे। उन्होंने कहा- ठीक कह रहे हो तुम लोग। तुम दोनों बहुत बड़े विद्वान हो और श्रेष्ठ भी। यह कार्य तुम दोनों के लिए उचित नहीं है। यह कार्य मेरे लिए ही ठीक है। उन्होंने झाड़ू उठाया और सफाई करने लगे। यह देखते ही दोनों शिष्य मारे शर्म के पानी-पानी हो गए। गुरु की विनम्रता के आगे उनका अहंकार पिघल गया। उनमें से एक ने आकर गुरु से झाड़ू ले लिया और दूसरा भी उसके साथ सफाई के काम में जुट गया। उस दिन से उनका व्यवहार पूरी तरह बदल गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

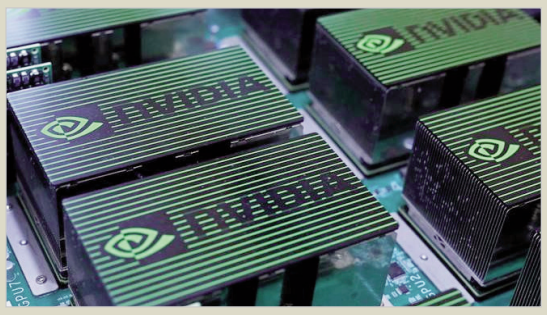


## मोनार्क ट्रैक्टर ने एनवीडिया एआई चिप्स द्वारा संचालित इलेक्ट्रिक रोबोट ट्रैक्टरों का खुलासा किया

**सैन फ्रांसिस्को।** इलेक्ट्रिक स्मार्ट ट्रैक्टर कंपनी मोनार्क ट्रैक्टर ने नए इलेक्ट्रिक रोबोट ट्रैक्टरों का खुलासा किया है जो एनवीडिया के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) चिप्स द्वारा संचालित हैं।एनवीडिया ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि एक लॉन्च इवेंट में, ट्रैक्टर कंपनी ने छह फाउंडर सीरीज एमके-वी ट्रैक्टरों में से पहले का अनावरण किया और खुलासा किया कि वाइन और स्पिरिट्स के एक प्रमुख निर्माता और बीयर आयातक कॉन्स्टेलेशन ब्रांड्स इसके पहले ग्राहक होंगे। किसानों को उनके कार्बन पदचिह्न को कम करने, क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ाने, कृषि कार्यों को कारगर बनाने और उनकी निचली रेखाओं को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए, ट्रैक्टर विद्युतीकरण, स्वचालन और डेटा विश्लेषण को जोड़ता है। एमके-वी ट्रैक्टर ऊर्जा लागत और डीजल उत्सर्जन को कम करता है, साथ ही हानिकारक हर्बिसाइड्स को कम करने में मदद करता है, जो महंगे हैं और मिट्टी को नष्ट करते हैं। मोनार्क ट्रैक्टर के सीईओ प्रवीण पेनमेत्सा ने कहा, सटीक एजी (कृषि), स्वायत्तता और एआई के साथ, डेटा उपयोग किए गए रसायनों की मात्रा को कम करेगा, जो मिट्टी के लिए अच्छा है, लाभप्रदता के दृष्टिकोण से किसान के लिए अच्छा है और उपभोक्ता के लिए अच्छा है। एनवीडिया ने कहा, मोनार्क एनवीडिया इंसेप्शन प्रोग्राम का सदस्य है, जो स्टार्टअप्स को टेक्नोलॉजी सपोर्ट और एआई प्लेटफॉर्म गाइडेंस मुहैया कराता है। एमके-वी, जो बैटरी प्रदर्शन में प्रगति प्रदान करता है, एनवीडिया जेटसन प्लेटफॉर्म से ऊर्जा कुशल कंप्यूटिंग प्राप्त करता है। पेनमेत्सा ने कहा, यह सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मोनार्क पूरी तरह से चालक रहित संचालन के लिए अभिप्रेत है। संस्थापक श्रृंखला एमके-वी में दो 3डी (तीन आयाम) कैमरे और छह स्टैंडर्ड कैमरे हैं। ट्रैक्टर कम चार्ज होने या पथ में बाधा डालने वाली अज्ञात वस्तु होने पर अलर्ट भेजने सहित कई सुविधाएँ प्रदान करता है।

## केंद्र सरकार को पावर ग्रिड, ऑयल इंडिया लिमिटेड से लाभांश प्राप्त हुआ

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार को शुक्रवार को लाभांश के हिस्से के रूप में पावर ग्रिड और ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) से क्रमशः 1,791 करोड़ रुपये और 276 करोड़ रुपये मिले। इसके अलावा, सरकार को लाभांश के हिस्से के के रूप में बीईएल, मझगांव डॉक और मिधानी से क्रमशः 187 करोड़ रुपये, 28 करोड़ रुपये और 21 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। यह जानकारी निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) के सचिव तुहिन कांता पांडे ने ट्वीट कर दी। पिछले हफ्ते सरकार को देश के सबसे अमीर सरकारी स्वामित्व वाली एक्सप्लोरर ओएनजीसी से लाभांश के रूप में 5,001 करोड़ रुपये मिले थे।

## नवंबर में पाकिस्तान की महंगाई दर बढ़कर 23.8 प्रतिशत हुई

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) साल दर साल नवंबर में 23.8 फीसदी बढ़ा, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 11.5 फीसदी दर्ज किया गया था। पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो (पीबीएस) ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार- पीबीएस के मुताबिक, अक्टूबर के पिछले महीने में 26.6 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में नवंबर में सीपीआई में भी साल दर साल सुधार देखा गया। महीने-दर-महीने के आधार पर, नवंबर में सीपीआई में 0.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले महीने में 4.7 प्रतिशत और नवंबर 2021 में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जैसा कि पीबीएस के आंकड़ों से पता चलता है। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने अपनी मासिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा था कि नवंबर में देश की सीपीआई में मामूली कमी आने की उम्मीद है और यह संभवत- 23 से 25 फीसदी के बीच रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुचारू घरेलू आपूर्ति, अपरिवर्तित ऊर्जा कीमतों और स्थिर विनिमय दर के कारण मुद्रास्फीति का दबाव कम होने की उम्मीद थी।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**मुंबई।**

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। इसी के साथ ही गत दिनों से जारी उसकी तेजी पर अंकुश लग गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार रिकार्ड तेजी पर बंद हुआ था। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली से भी बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 415.69 अंक करीब 0.66 फीसदी नीचे आकर 62868.50 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान यह 604.56 अंक तक गिरा था। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 116.40 अंक तकरीबन 0.62 फीसदी नीचे आकर 18696.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा हिंदुस्तान युनिलीवर मारुति नेस्ले इंडिया एचडीएफसी एशियन पेंट्स बजाज फाइनेंस और पावरग्रिड के शेयर मुख्य रूप से गिरे। वहीं दूसरी ओर टाटा स्टील डॉ. रेड्डीज टेक महिंद्रा इंडसइंड बैंक और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर लाभ में रहे। एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी जापान का निक्की चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट रही। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट नीचे आया। बाजार जानकारों के अनुसार दुनिया भर के बाजारों में हुए नुकसान और मुनाफावसूली से बाजार गिरा है। वाहन शेयरों में भी गिरावट आई है। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.13 फीसदी नीचे आकर गिरावट के साथ 86.77 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

## इस महीने बढ़ सकती हैं बैंक की ब्याज दरें

**नई दिल्ली।**

इस महीने दिसंबर में पैसे से जुड़े कुछ बदलाव होने वाले हैं। इस महीने जहां डिजिटल रुपए का पायलट प्रोजेक्ट शुरू हो चुका है वहीं कार लोन और पर्सनल लोन की ब्याज दरें भी बढ़ सकती है। दरअसल दिसंबर में ही भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक होगी। बैठक में रेपो रेट में बढ़ोतरी ऐलान हो सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार यस बैंक ने एक दिसंबर से बैलेंस अलर्ट मैसेज सर्विस को बंद कर दिया है। जिन ग्राहकों को किसी पैकेज के तहत मैसेज अलर्ट सर्विस मिल रही है तो वह अब 1 दिसंबर से नहीं मिलेगी। हालांकि अगर पैकेज का सब्सक्रिप्शन टाइम बचा हुआ है मैसेज का अलर्ट पैकेज समाप्त होने तक मिलता रहेगा। बैंक ने यह निर्णय मैसेज के द्वारा साइबर क्रिमिनल द्वारा ग्राहकों के साथ की जा रही धोखाधड़ी को देखते हुए लिया है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक 7 दिसंबर को होने वाली है। बैठक में आरबीआई रेपो रेट में बढ़ोतरी कर सकता है।

## कॉइनबेस ने एप्पल पर एनएफटी वॉलेट फंक्शन को हटाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया

**सैन फ्रांसिस्को।** प्रमुख क्रिप्टो एक्सचेंज कॉइनबेस ने एप्पल पर अपने आईओएस वॉलेट एप्लिकेशन से एनएफटी (नॉन-फंजिबल टोकन) ट्रांसफर को हटाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है।गुरुवार को ट्विटर पर, कॉइनबेस वॉलेट ने कहा, आपने देखा होगा कि अब आप कॉइनबेस वॉलेट आईओएस पर एनएफटी नहीं भेज सकते। ऐसा इसलिए है क्योंकि एप्पल ने हमारी आखिरी ऐप रिलीज को तब तक ब्लॉक कर दिया जब तक कि हम फीचर को डिसेबल नहीं कर देते। सीधे शब्दों में कहें तो, एप्पल ने एनएफटी में उपभोक्ता निवेश और क्रिप्टो पारिस्थितिकी तंत्र में डेवलपर नवाचार की कीमत पर अपने मुनाफे की रक्षा के लिए नई नीतियां पेश की हैं। हमें आशा है कि यह एप्पल की ओर से एक निरीक्षण है और पारिस्थितिकी तंत्र के साथ आगे की बातचीत के लिए एक विभक्ति बिंदु है। हम यहां हैं और मदद करना चाहते हैं। एप्पल ने अक्टूबर में अपने ऐप स्टोर समीक्षा दिशानिर्देशों को अपडेट किया। आईफोन निर्माता ने कॉइनबेस को सूचित किया कि वह अब अपने मौजूदा रूप में एनएफटी ट्रांसफर प्रोटोकॉल का उपयोग नहीं कर सकता है। दिशानिर्देश में उल्लेख किया गया है कि एप्लिकेशन उपयोगकर्ताओं को अपने स्वयं के एनएफटी देखने की अनुमति दे सकते हैं, बशर्ते कि एनएफटी स्वामित्व ऐप के भीतर सुविधाओं या कार्यक्षमता को अनलॉक न करे।

# शाओमी 7 करोड़ से अधिक ग्राहकों के साथ नोट सीरीज के 8 साल पूरे होने का मना रहा जश्न

**नई दिल्ली।**

शाओमी की रेडमी नोट सीरीज ने 8 साल पहले अपने आगमन के बाद से 7 करोड़ से अधिक ग्राहक बनाए हैं, विशेष रूप से भारत में स्मार्टफोन उद्योग में नए मानदंड स्थापित किए हैं। पिछले 8 वर्षों में, इसने लेटेस्ट नवाचारों को लाकर भारतीय स्मार्टफोन परिदृश्य को बदल दिया है, जिसने उपभोक्ताओं के बीच उत्कृष्ट उद्योग मानकों, बेंचमार्क और अपेक्षाओं को स्थापित किया है।रेडमी ने 2014 में रेडमी नोट 4जी के साथ पहला नोट बैक लॉन्च किया था और उपभोक्ताओं के हाथों में सबसे किफायती 4जी स्मार्टफोन सौंपने वाले पहले ब्रांडों में से एक बन गया। कंपनी ने एक बयान में कहा, तब से, डिजाइन और प्रौद्योगिकी आगे बढ़ी है और प्रत्येक नोट के साथ, सीरीज न केवल विकसित हुई है बल्कि बढ़ती जा रही है। शाओमी इंडिया के चीफ मार्किटिंग ऑफिसर, अनुज शर्मा ने कहा, शाओमी ने प्रत्येक नई रेड्मी नोट सीरीज के साथ, अपग्रेड लाने पर ध्यान केंद्रित किया है जो वास्तव में सेगमेंट में एक गेम परिवर्तक हैं। पिछले 8 वर्षों में नोट सीरीज में पेश की गई सबसे विघटनकारी तकनीक कैमरा है। उन्होंने कहा, यह बजट सेगमेंट में 48 मेगापिक्सल और बाजार में 64 मेगापिक्सल पेश करने वाला पहला स्मार्टफोन था, जो मिड-प्रीमियम सेगमेंट में 108 मेगापिक्सल तक विकसित हुआ, जो उस समय मेगापिक्सल की अग्रणी गिनती थी। कंपनी ने कहा, रेडमी नोट 6 प्रो शाओमी का पहला नोट फोन था जो एक नॉच्ड डिस्प्ले के साथ आया था। रेडमी नोट 10 सीरीज के साथ, कंपनी ने एक नई ईवीओएल डिजाइन लैंगवेज पेश की, जो कार्यक्षमता और स्थायित्व पर ध्यान देने के साथ रेडमी उपकरणों के समग्र डिजाइन में रेडिकल परिवर्तन लाती है। नरेडमी पहला ब्रांड था जिसने रेडमी नोट 10 सीरीज के साथ बजट में एमोएलईडी डिस्प्ले पेश किया, ताकि उपभोक्ता अनुभव को और बढ़ाया जा सके और स्मार्टफोन पर कंटेंट की बढ़ती खपत को दूर किया जा सके। केंद्र में प्रदर्शन के साथ, रेडमी ने प्रौद्योगिकी नवाचारों का नेतृत्व किया है और 4जी और 5जी प्रौद्योगिकी तक पहुंच लाने वाले पहले ब्रांडों में से एक था। उस समय, रेडमी नोट के समान रेंज में 4जी स्मार्टफोन की कीमत प्रीमियम (20,000 रुपये से अधिक) थी, लेकिन रेडमी नोट 4जी की कीमत 9,000 रुपये थी। कंपनी ने कहा, 5जी अपेक्षित रिलीज के साथ, रेडमी इस तकनीक को जनता के लिए पेश करने वाले और अंतिम कार्यान्वयन से बहुत पहले उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराने वाले पहले ब्रांडों में से एक था। सफलता का सही पैमाना वह प्रतिक्रिया है जो कंपनी को अपने पसंद करने वाले फैन समुदाय से मिली है और इसने उनके जीवन पर जो प्रभाव डाला है। कंपनी ने अनुसार, रेंज में लॉन्च किए गए पहले डिवाइस, रेडमी नोट 4 सीरीज से लेकर अब रेडमी नोट 11 सीरीज तक, प्रशंसकों और उपयोगकर्ताओं ने टॉप-ऑफ-द-लाइन सुविधाओं और विशिष्टताओं की सराहना की है, जिसने बाजार में नई ऊंचाइयों को आगे बढ़ाने में मदद की है। लगातार हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर अपग्रेड ने इसे सबसे विश्वसनीय विकल्प बना दिया है। कुछ अपग्रेड के साथ, रेडमी नोट सीरीज एमआईयूआई अपडेट प्राप्त करने वाला पहला प्रोडक्ट था। रेडमी नोट सीरीज को सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन सीरीज के रूप में स्थापित करने के अलावा, ब्रांड ने भारत का सबसे बड़ा स्मार्टफोन सर्विस नेटवर्क बनकर अपनी बिक्री के बाद सेवा की पहुंच सुनिश्चित की है। इससे उपभोक्ताओं को 2000 से अधिक सर्विस सेंटर नेटवर्क के साथ 19500 से अधिक पिन कोड पर रेडमी इंडिया से जुड़ने में मदद मिली है। पिछले 8 वर्षों में, इसने अपने पार्टनर प्लेटफॉर्म पर लगभग 38,00,000 से अधिक रेटिंग प्राप्त की, जिसकी औसत रेटिंग लगातार 4.5/5 रही। अक्टूबर 2022 के लिए हाल ही में सीएमआर इनसाइट्स ऑन द गो सर्वे के अनुसार, रेडमी 7,000 रुपये से 35,000 रुपये के सेगमेंट में भारत के शीर्ष गुणवत्ता वाले स्मार्टफोन ब्रांड के रूप में उभरा।

# अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने फिर से कंपनी में बड़े पैमाने पर छंटनी का बचाव किया

**सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)**

अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने फिर से कंपनी में बड़े पैमाने पर छंटनी का बचाव करते हुए कहा, हमें ऐसा लगता है जैसे हमें अपनी लागतों को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता है।जेसी ने आर्थिक अनिश्चितता का हवाला देते हुए न्यूयॉर्क टाइम्स डीलबुक समिट में बड़े पैमाने पर छंटनी को सही ठहराया। फॉर्च्यून की रिपोर्ट के अनुसार, जेसी ने यूएस में इवेंट के दौरान कहा कि महामारी के शुरुआती दिनों में अमेजन का खुदरा कारोबार तेजी से बढ़ा और इसने हमें उस समय बहुत अधिक पैसा खर्च करने और बुनियादी ढांचे के निर्माण में बहुत तेजी से निर्णय लेने के लिए मजबूर किया, जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी। अमेजन के सीईओ ने कहा, हमें पता था कि हम ओवरबिल्डिंग कर सकते हैं। हालांकि अमेजन ने संख्या का खुलासा नहीं किया है, पहले की रिपोर्ट में कहा गया था कि कंपनी अपने उपकरणों, खुदरा और मानव संसाधन विभागों में लगभग 10,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी। इस महीने की शुरुआत में, जेसी ने कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि 2023 की शुरुआत में कंपनी में और छंटनी होगी क्योंकि लीडर्स ने समायोजन करना जारी रखा है। ई-कॉमर्स की दिग्गज कंपनी ने सार्वजनिक रूप से कुछ छंटनी की पुष्टि की और जेसी ने घोषणा की है कि अधिक छंटनी जल्द होगी क्योंकि अमेजन की वार्षिक योजना प्रक्रिया नए साल तक बढ़ गई है। उन्होंने एक बयान में कहा था, उन फैसलों को 2023 की शुरुआत में प्रभावित कर्मचारियों और संगठनों के साथ साझा किया जाएगा। अमेजन व्यापक सार्वजनिक या आंतरिक घोषणाएं करने से पहले प्रभावित कर्मचारियों से सीधे संवाद करने को प्राथमिकता देगा। जेसी ने कहा, इस साल की समीक्षा इस तथ्य के कारण अधिक कठिन है कि अर्थव्यवस्था चुनौतीपूर्ण स्थिति में है और हमने पिछले कई वर्षों में लोगों को तेजी से काम पर रखा है। बड़े पैमाने पर नौकरी में कटौती ने विशेष रूप से एलेक्सा वर्चुअल असिस्टेंट बिजनेस और लूना क्लाउड गेमिंग यूनिट सहित कई डिवीजनों को प्रभावित किया है।

## भारत में अपने कुछ प्रोडक्ट्स पर 20 साल की वारंटी देगा सैमसंग

**नई दिल्ली।** उपभोक्ताओं को लंबी वारंटी प्रदान करने के उद्योग में पहली बार कदम उठाते हुए सैमसंग ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत में अपने कुछ प्रोडक्ट्स पर 20 साल की वारंटी देगा।कंपनी अपनी वाशिंग मशीन में इस्तेमाल होने वाले डिजिटल इन्वर्टर मोटर और रेफ्रिजरेटर में इस्तेमाल होने वाले डिजिटल इन्वर्टर कंप्रेसर पर लंबी अवधि की वारंटी देगी। सैमसंग इंडिया के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मोहनदीप सिंह ने एक बयान में कहा, अपने उपभोक्ताओं को स्थायी समाधान प्रदान करने की हमारी दृष्टि के साथ, हमने अपनी वाशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर में उपयोग किए जाने वाले डिजिटल इन्वर्टर मोटर और कंप्रेसर पर 20 साल की वारंटी पेश की है। कंपनी ने कहा कि यह पहल प्रोडक्ट्स की विश्वसनीयता और स्थायित्व को बढ़ाकर और ई-कचरे को कम करने और स्थिरता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर ग्राहकों के मन की शांति लाएगी। सिंह ने कहा, घरेलू उपकरणों को बार-बार बदलने से न केवल समय और ऊर्जा खर्च होती है बल्कि भौतिक कचरा भी पैदा होता है। इसलिए, इस पहल का उद्देश्य हमारे उपभोक्ताओं को मन की शांति के साथ-साथ स्थायित्व प्रदान करते हुए ई-कचरे को कम करना है। उन्नत डिजिटल इन्वर्टर कंप्रेसर और डिजिटल इन्वर्टर मोटर गुणवत्ता और स्थिरता में कंपनी के निवेश को प्रदर्शित करते हैं, अंतत- कंपनी के अनुसार उपभोक्ताओं का विश्वास प्राप्त करते हैं।

# एप्पल के सीईओ ने चीन में विरोध प्रदर्शनों पर पूछे गए सवालों को किया नजरअंदाज

**वाशिंगटन। (एजेंसी)**

एप्पल के सीईओ टिम कुक ने चीन में हिंसक विरोध पर सवालों को नजरअंदाज कर दिया है, जिसने देश में अपने प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं की फैक्टियों में आईफोन प्रोडक्शन में बाधा उत्पन्न की है।फॉक्स बिजनेस ने गुरुवार देर रात सांसदों से मिलने के लिए वाशिंगटन, डीसी में कैपिटल हिल पहुंचने पर कुक से कई सवाल पूछे। कुक ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि क्या उन्होंने चीनी लोगों के विरोध के अधिकार का समर्थन किया। एप्पल के सीईओ इस बात पर भी चुप रहे कि क्या वह चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ अपनी कंपनी के व्यापारिक सौदों के साथ खड़े हैं या नहीं। कुक इस सप्ताह रिपब्लिकन लीडरों से मिलने के लिए वाशिंगटन में थे, क्योंकि हाउस ज्यूडिशियरी कमेटी ऐप स्टोर से संबंधित अविश्वास मुद्दों पर गौर करेगी। एयरड्रॉप सुविधा उपयोगकर्ताओं को एप्पल उपकरणों के बीच कंटेंट साझा करने की अनुमति देती है। हांगकांग के 2019 के लोकतंत्र समर्थक विरोध के दौरान इस टूल का व्यापक रूप से उपयोग किया गया था। इस महीने की शुरुआत में, एप्पल आईओएस के एक अपडेट में एक अतिरिक्त एयरड्रॉप फीचर शामिल था जो केवल मुख्य भूमि चीन में बेचे जाने वाले आईफोन्स पर लागू होता था। अपडेट के तहत, आईफोन्स अब अपने एयरड्रॉप को स्विच ऑफ करने से पहले केवल 10 मिनट के लिए सभी से संदेश प्राप्त करने के लिए सेट कर सकते हैं। अन्य सेटिंग्स केवल संपर्क या प्राप्त करना के बीच फाइल-साझाकरण की अनुमति देती हैं। चीन में कोविड से संबंधित विरोध के बीच, एप्पल को आईफोन की बढ़ती कमी का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हॉलिडे सेल में कमजोर बिक्री की चिंताओं के कारण पिछले सप्ताह से कंपनी के बाजार मूल्य में 165 अरब डॉलर की गिरावट देखी गई है। एप्पल के आईफोन 14 प्रो मॉडल के शिपमेंट में कथित तौर पर चौथी तिमाही में 20 मिलियन की गिरावट आ सकती है। एप्पल के विश्लेषक मिंग-ची कुओ के अनुसार, आईफोन 14 प्रो और आईफोन 14 प्रो मैक्स मॉडल की शिपमेंट उम्मीद से 15 मिलियन से 20 मिलियन यूनिट कम होगी। पिछले हफ्ते, चीन में एप्पल के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन की फैक्ट्री के कार्यकर्ता कोविड लॉकडाउन के दौरान देर से बोनस भुगतान पर विरोध के बीच सुरक्षा बलों और कंपनी के अधिकारियों से भिड़ गए।

## शेयरचैट अपने 5 प्रतिशत से कम कार्यबल को करेगा कम, फैंटेसी स्पोर्ट्स ऐप जीत11 को भी करेगा बंद

**नई दिल्ली।**

घरेलू सोशल मीडिया कंपनी शेयरचैट (मोहल्ला टेक प्राइवेट लिमिटेड) ने जीत11 नामक अपने फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म को बंद करने के बाद अपने 5 प्रतिशत से कम कर्मचारियों को कम कर दिया है। कंपनी ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की।ट्विटर, गूगल, स्नैप और टाइगर ग्लोबल द्वारा समर्थित, शेयरचैट में लगभग 2,300 कर्मचारी हैं और छंटनी कंपनी में 100 से अधिक लोगों को प्रभावित करेगी, ऐसे समय में जब लगभग हर तकनीकी फर्म वैश्विक आर्थिक संकट का सामना करने के लिए व्यवसायों का पुनर्गठन कर रही हैं। शेयरचैट के प्रवक्ता ने आईएएनएस को बताया, एक मानक व्यवसाय अभ्यास के रूप में, हम समय-समय पर अपनी रणनीतियों का मूल्यांकन करते हैं। हम पुष्टि कर सकते हैं कि हम जीत11 के संचालन को बंद कर रहे हैं और हमने अपने कुछ कार्यों को पुनर्गठित किया है, जिसका अर्थ है टीमों के भीतर इस प्रतिभा का आना और कुछ कर्मचारियों को बाहर निकाला जाएगा। प्रवक्ता ने कहा, इस प्रक्रिया ने हमारे 5 प्रतिशत से कम कर्मचारियों को प्रभावित किया है। शेयरचैट (मोहल्ला टेक प्राइवेट लिमिटेड) भारत की सबसे बड़ी घरेलू सोशल मीडिया कंपनी है, जिसके सभी प्लेटफॉर्म पर 400 मिलियन से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता (एमएयू) हैं। अंकुश सचदेवा, भानु प्रताप सिंह और फरीद अहसन द्वारा 2015 में स्थापित, शेयरचैट का अंतिम मूल्य 5 अरब डॉलर था और इसके पोर्टफोलियो के तहत शेयरचैट ऐप और मौज जैसे सोशल मीडिया ब्रांड हैं। जबकि शेयरचैट ऐप के 180 मिलियन से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं, मौज सबसे बड़ा भारतीय शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म है, जिसके ऐप पर हर महीने लगभग 300 मिलियन लोग कंटेंट का उपभोग करते हैं। कंपनी ने एक प्रवक्ता ने बताया, हम अपनी योजनाओं के अनुसार विभिन्न कार्यों और भूमिकाओं में मजबूत विकास और काम पर रखने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखते हैं। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती सोशल मीडिया कंपनी के रूप में सफल होने के लिए, हम अपनी रणनीति का नियमित रूप से आकलन करते हैं और अपने दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए आवश्यक बदलाव करते हैं। 2020 में लॉन्च किया गया, जीत11, ड्रीम11 और मोबाइल प्रीमियर लीग (एमपीएल) पर शेयरचैट का टेक था।

## डीएमआरसी दिल्ली मेट्रो चौथे चरण के कॉरिडोर के लिए 312 कोच खरीदेगी

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने शुक्रवार को मेट्रो के चौथे चरण के कॉरिडोर के लिए 312 मेट्रो कोच खरीदने लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर करके यात्री परिचालन के लिए अपने फेज 4 कॉरिडोर को चालू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कॉरिडोर में मजलिस पार्क से मौजपुर, जनकपुरी पश्चिम से आर.के. आश्रम मार्ग और तुगलकाबाद से दिल्ली एरोसिटी शामिल है। डीएमआरसी 312 कोचों में से 7 पिंक लाइन और 8 मैजेंटा लाइन के एक्सटेंड खंडों के लिए 234 मानक गेज कोच खरीदेगा जो मजलिस पार्क से मौजपुर और जनकपुरी पश्चिम से आर के आश्रम मार्ग तक हैं। इसके अलावा तुगलकाबाद से दिल्ली एयरोसिटी कॉरिडोर के लिए 78 स्टैंडर्ड गैज कोच खरीदे जाएंगे। ये सभी ट्रेन यात्रियों को विश्व क्लास सर्विस प्रदान करने के लिए दिल्ली मेट्रो के प्रयासों के अनुरूप अनुपयोगी परिचालन के लिए अनुकूल शर्तें और मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देंगे। इन कोचों का निर्माण चेन्नई में श्रीसिटी स्थित प्लांट के निकट एल्सटॉम इंडिया में किया जाएगा। अनुबंध पर शुक्रवार को मेट्रो भवन में डीएमआरसी के निदेशक (इलेक्ट्रिकल) ओम हरि पांड और एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड के एमडी ओलिवियर लोइसन ने हस्ताक्षर किए। रिपोर्ट के अनुसार, मजेंटा लाइन के जनकपुरी वेस्ट- आरके आश्रम मार्ग विस्तार में 144 नए कोच (24 ट्रेनें), पिंक लाइन के मुकुंदपुर - मौजपुर विस्तार में 90 नए कोच (15 ट्रेनें) मिलेंगी। डीएमआरसी दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण के विस्तार के हिस्से के रूप में 46 मेट्रो स्टेशनों के साथ राजधानी में तीन अलग-अलग कॉरिडोर में 65.20 किलोमीटर नई लाइन का निर्माण कर रहा है। मेट्रो विस्तार के इस चरण के तहत सभी कॉरिडोर सितंबर 2025 तक पूरे कर लिए जाएंगे। दिल्ली मेट्रो वर्तमान में 286 मेट्रो स्टेशनों के साथ 391 किलोमीटर के नेटवर्क पर चल रहा है। दिल्ली मेट्रो वर्तमान में ब्रॉड गेज और स्टैंडर्ड गेज दोनों पर चार, छह और आठ कोच वाली लगभग 350 मेट्रो ट्रेनों का संचालित करती है। दिल्ली मेट्रो की ट्रेनें बड़े पैमाने पर शहरी कनेक्शन क्षेत्रों में दुनिया भर में सबसे एडवांस हैं। मैजेंटा लाइन पर दिल्ली मेट्रो नेटवर्क पर दिसंबर 2020 में ड्राइवरलेस का संचालन शुरू किया गया था।

## एपिक गेम्स ने आईओएस यूजर्स के लिए रियलिटीस्कैन ऐप जारी किया

**नई दिल्ली।**

एपिक गेम्स और कैप्चरिंग रियलिटी ने शुक्रवार को उपयोगकर्ताओं को मुफ्त में डाउनलोड करने के लिए आईओएस पर रियलिटीस्कैन ऐप जारी किया।रियलिटीस्कैन मोबाइल उपकरणों के लिए एक 3डी स्कैनिंग ऐप है जो फोटो को आसानी से हाई-फिडेलिटी 3डी मॉडल में बदल देता है, जिसमें स्टार्ट करने के लिए किसी अनुभव की आवश्यकता नहीं होती है। कंपनी के अनुसार, इस ऐप के साथ, उपयोगकर्ताओं को बस अपने स्मार्टफोन का उपयोग करके किसी वस्तु की तस्वीर लेने की आवश्यकता होती है और ऐप इसे 3डी मॉडल में बदलने के लिए क्लाउड प्रोसेसिंग का उपयोग करेगा, जिसे बाद में स्केचफैब में निर्यात किया जा सकता है और दुनिया के साथ साझा किया जा सकता है। स्केचफैब 3डी, वीआर और एआर कंटेंट को प्रकाशित करने, साझा करने, खोजने, खरीदने और बेचने के लिए एक 3डी मॉडलिंग प्लेटफॉर्म वेबसाइट है। रियलिटीस्कैन को कैप्चरिंग रियलिटी द्वारा विकसित किया गया था, जो एक फोटोग्राममेट्री समाधान डेवलपर है जो एपिक गेम्स परिवार का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य 3डी स्कैनिंग को सभी क्रिएटर्स के लिए सुलभ बनाना है। कंपनी ने कहा कि कोई भी वास्तविक दुनिया की वस्तुओं से 3डी मॉडल बनाने के लिए रियलिटीस्कैन का उपयोग कर सकता है और अपने विजुअलाइजेशन प्रोजेक्ट्स के यथार्थवाद को बेहतर बनाने के लिए उनका उपयोग कर सकता है। इसके अलावा, पूरी की गई 3डी संपत्तियों को रियलिटीस्कैन से स्केचफैब पर मूल रूप से अपलोड किया जा सकता है। इसके अलावा, रियलिटीस्कैन उपयोगकर्ता स्केचफैब पर पहली बार अपलोड करने के बाद स्वचालित रूप से स्केचफैब प्रो खाते में अपग्रेड हो जाएंगे। एपिक ने पहले कहा था कि एक एंड्रॉइड वर्जन इस साल के अंत में उपलब्ध होगा, लेकिन कंपनी के पास उस समय सीमा को पूरा करने के लिए समय समाप्त हो रहा है।

# पाकिस्तान बनाम इंगलैंडे : पहली बारी में मेहमान टीम ने 657 रन बनाकर बनाया रिकॉर्ड, 108 रन के साथ पाक की पारी जारी

**रावलपिंडी (एजेंसी)।** । इंग्लैंड की पूरी टीम शुक्रवार को यहां पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड वाले पहले टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में 657 रन के स्कोर पर आउट हुई जबकि मेजबान टीम चाय तक बिना विकेट गंवाये 108 रन बना चुकी है। सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक और अब्दुल्लाह शफीक दूसरे सत्र के ब्रेक तक अर्धशतक बना चुके हैं।

शफीक 101 गेंद में 54 और इमाम 97 गेंद में 52 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। लेकिन पाकिस्तानी टीम अब भी 549 रन से पिछड़ रही है। इमाम दूसरे सत्र में शुरू में ही आउट हो जाते लेकिन विकेटकीपर ओली पोप बायें हाथ के स्पिनर जैक लीच के पहले ओवर में उनका कैच नहीं ले पाये। पिच पर घास नहीं है जिससे न तो तेज गेंदबाज और न ही स्पिनर बल्लेबाजों को परेशान कर पा रहे हैं। पर इंग्लैंड ने दूसरे सत्र में ज्यादातर समय स्पिनरों को ही खिलाने पर जोर दिया जिसमें अनुभवी जेम्स एंडरसन ने लंच के बाद केवल एक ओवर जबकि ओली रॉबिन्सन ने दो ओवर डाले।

इमाम और शफीक ने लीच की बायें हाथ की स्पिन के खिलाफ आत्मविश्वास से बल्लेबाजी की लेकिन वे आफ स्पिनर के खिलाफ आक्रामक दिखे जिन्होंने अपने 10 ओवर में 44 रन लुटाये। पाकिस्तान में 17 साल में पहला टेस्ट खेल रही ब्रिटेन की टीम ने पहले दिन 75 ओवर में चार विकेट पर 506 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था जिसमें उसके शीर्ष पांच में से चार बल्लेबाजों ने शतक जड़े। इंग्लैंड ने उसी रफ्तार से दूसरे दिन भी 151 रन जोड़े और पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट पारियों में सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

इंग्लैंड का टेस्ट पारियों में पाकिस्तान के खिलाफ पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मैनचेस्टर में 2016 में रहा था जब उसने आठ विकेट पर 589 रन बनाये थे। पाकिस्तानी लेग स्पिनर जाहिद महमूद ने पदार्पण टेस्ट पारी में सबसे ज्यादा रन लुटाने का रिकॉर्ड बनाया, उन्होंने 235 रन देकर चार विकेट झटके। इससे पहले यह रिकॉर्ड श्रीलंका के ऑफ स्पिनर सूरज रणदीव के नाम था जिन्होंने 2010 में कोलंबो में भारत के खिलाफ 222 रन देकर दो विकेट लिए थे। पाकिस्तान की गेंदबाजी की समस्या भी बढ़ गयी है क्योंकि तेज गेंदबाज हारिस रऊफ अपने पैर में असहजता के कारण दूसरे दिन मैदान पर नहीं उतर सके।

रऊफ का पहले दिन क्षेत्ररक्षण करते हुए पैर मुड़ गया था और टीम का मेडिकल स्टाफ उनकी चोट पर निगरानी रखे है। पहले दिन इंग्लैंड के लिये जाक क्राउले, बेन डकेट, ओली पोप और हैरी ब्रुक शतक जड़े। टीम ने दूसरे दिन भी इसी लय में खेलना जारी

रखा। कप्तान बेन स्टोक्स ने 34 रन से खेलना शुरू किया और 41 रन बनाकर आउट हुए जबकि 101 रन पर खेलने उतरे ब्रुक ने महमूद के एक ओवर में 27 रन जड़े दिये जिसमें एक रिवर्स शॉट से लगा छक्का जड़ा। उन्होंने 116 गेंद में 153 रन बनाये जिसमें 19 चौके और पांच छक्के शामिल रहे।

# बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में होगी रोहित-राहुल पर नजर, कमजोर टीम के खिलाफ फॉर्म में आने का अच्छा मौका

**दोहा (एजेंसी)।** टीम इंडिया फिलहाल बांग्लादेश दौरे पर है। एकदिवसीय विश्वकप से पहले भारत का बंग्लादेश दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगले साल भारत में ही एकदिवसीय विश्व कप खेला जाना है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया फिलहाल बांग्लादेश पहुंच चुकी है। 4 दिसंबर को बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला मुकाबला भी खेलेगी। तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी होनी है। लेकिन सबकी निगाहें वनडे सीरीज पर होगी। बांग्लादेश सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या वे फॉर्म में वापस आएंगे? टी20 विश्व कप के दौरान भी इन्हें संघर्ष करते हुए देखा गया था। इन दोनों खिलाड़ियों के पास कमजोर टीम के खिलाफ फॉर्म जाने का अच्छा मौका है।

अगर भारत को 2023 में विश्व विजेता बनना है तो कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल का फॉर्म में आना बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में दोनों ही बल्लेबाजों का फॉर्म काफी खराब रहा है। इतना ही नहीं, वे पिच पर रन बनाने के लिए भी संघर्ष करते दिखाई दे रहे थे। इन दोनों बल्लेबाजों के अलावा ऋषभ पंत के लिए भी यह सीरीज काफी मायने रखता है। ऋषभ पंत का भी बल्ला सीमित ओवर के क्रिकेट में नहीं चल रहा है। वह लगातार फ्लॉप हो रहे हैं। ऐसे में उन पर भी सबकी निगाहें होंगी। वनडे सीरीज में ऋषभ पंत के अलावा ईशान किशन को भी विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गया है। ऐसे में ईशान किशन को लेकर भी संभावनाएं बनती दिखाई दे रही है।

बांग्लादेश के खिलाफ कुछ नए खिलाड़ियों को भी आजमाने की कोशिश की जाएगी। रजत पाटीदार, राहुल त्रिपाठी, शाहबाज अहमद और कुलदीप सेन को एकदिवसीय मुकाबले में मौका दिया जा सकता है। इसके अलावा ईशान किशन को भी टीम में शामिल करने की कोशिश होगी ताकि 2023 के विश्वकप को लेकर इन खिलाड़ियों को तैयार किया जा सके। 4 दिसंबर को बांग्लादेश के खिलाफ पहला एकदिवसीय मुकाबला ढाका में खेला जाएगा जबकि 7 को दूसरा एकदिवसीय मुकाबला होगा और 10 दिसंबर को तीसरा मुकाबला खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज की बात करें तो पहला टेस्ट 14 से 18 दिसंबर को चटगांव में होगा जबकि दूसरा टेस्ट 22 से 26 दिसंबर को ढाका में खेला जाएगा।

# राष्ट्रीय निशानेबाजी में भाकर ने महिला 25 मीटर पिस्टल में जीता चार स्वर्ण

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ओलंपियन मनु भाकर ने गुरुवार को यहां 65वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में व्यक्तिगत महिला और जूनियर महिला वर्ग में स्वर्ण जीता। भाकर ने इससे पहले इसी स्पर्धा के टीम वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीते थे। भोपाल में मध्य प्रदेश निशानेबाजी अकादमी परिसर में महिलाओं के स्वर्ण पदक मैच में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने वाली भाकर ने सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) की पुष्पांजलि राणा को 33-27 से हराया। भाकर ने इसके बाद जूनियर महिला खिताबी मुकाबले में राज्य की अपनी साथी विभूति भाटिया को 32-24 से हराकर व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दोहरा स्वर्ण हासिल किया। वह इससे पहले बुधवार को टीम स्पर्धा का स्वर्ण जीत चुकी है। केरल के तिरुवनंतपुरम में वट्टियूरकावू निशानेबाजी परिसर में राइफल प्रतियोगिता की मिश्रित टीम स्पर्धा में पंजाब की समीक्षा ढींगरा और अर्जुन की जोड़ी ने मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल और हर्षित बिंजवा पर 17-5 का आसान जीत दर्ज की। जूनियर मिश्रित टी स्पर्धा में हरियाणा की नैन्सी और गुरमुख की जोड़ी ने कर्नाटक की तिलोत्तमा सेन और डेरियस की जोड़ी को 16-10 से हराया।

# आईपीएल 2023 में लागू होगा नया नियम, अब मैच में खेल सकेंगे 15 खिलाड़ी,

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आगामी आईपीएल के सीजन के लिए दिलचस्प नियम लागू करने का फैसला किया है। आईपीएल 2023 के लिए बीसीसीआई 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम लागू करने जा रही है। इस नियम को हाल ही में घरेलू क्रिकेट के सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी लागू किया गया था। घरेलू क्रिकेट में सफलता के बाद इसे आईपीएल में लागू किया जाएगा। आईपीएल में ये नियम लागू होने से मैच का रुख कभी भी बदल सकेगा।

इसकी जानकारी आईपीएल के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर शेयर कर दी गई है। इस संबंध में बीसीसीआई ने बयान भी दिया है। बयान में कहा गया कि बीसीसीआई इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लागू करना चाहता है। इसके जरिए आईपीएल के दौरान टीमें खेल की स्थिति के मुताबिक प्लेइंग इलेवन में एक सदस्य को बदल सकेंगी।

**जानें क्या है इम्पैक्ट प्लेयर**

इम्पैक्ट प्लेयर के नियम के मुताबिक टीमों को टॉस के समय प्लेइंग इलेवन के साथ चार अतिरिक्त खिलाड़ियों का भी नाम देना होगा। इन चार खिलाड़ियों में से कोई एक खिलाड़ी मैच के दौरान टीम का हिस्सा बन सकेगा। टीमें किसी भी पारी में 14 ओवर से पहले अपने इम्पैक्ट प्लेयर को शामिल कर सकेंगी। ये खिलाड़ी मैच के दौरान टीम की जरुरत के अनुसार गेंदबाजी या बल्लेबाजी कर सकेगा।

**इस स्थिति में लागू नहीं होगा नियम**

अगर किसी परिस्थिति में मैच 10 ओवर का खेला जाएगा तब इम्पैक्ट प्लेयर का नियम लागू नहीं होगा। बता दें कि दिल्ली के ऑलराउंडर रितिक शौकीन को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे पहले इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर शामिल किया गया था। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उन्होंने दिल्ली को मणिपुर के खिलाफ 71 रनों से जीत दिलाने में मदद की थी। उन्होंने इस मैच में 13 रन देकर 2 विकेट लिए थे।

**जानें कैसे बदलेगा मैच का रुख**

इस नियम के मुताबिक टीमों को मैच के दौरान 11 की जगह 12 खिलाड़ियों का इस्तेमाल करने का मौका मिलेगा। इस नियम के आने से टीमों की बल्लेबाजी और गेंदबाजी में काफी अंतर देखने को मिल सकता है। इम्पैक्ट प्लेयर पूरे मैच का रुख बदलने में मददगार होगा। फील्डिंग कर रही टीम डगआउट में बैठे खिलाड़ी को चुन सकेगी। हालांकि मैच के दौरान कोई भी टीम इम्पैक्ट प्लेयर को इस्तेमाल करने के लिए बाध्य नहीं होगी। इसका उपयोग करने से पहले कप्तान, मुख्य कोच या टीम मैनेजर को मैच अधिकारियों को जानकारी देनी होगी।

# मैच की कमेंट्री करने के दौरान ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को सीने में उठा तेज दर्द, अस्पताल में कराया गया भर्ती

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में आई खबरों के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को अस्पताल ले जाया गया है। पर्थ में ऑस्ट्रेलिया और वेस्ट इंडीज के बीच पहले टेस्ट के तीसरे दिन उन्हें सीने में दर्द और घबराहट महसूस हो रही थी। शुरूआत में रिपोर्ट ये भी आयी कि उन्हे दिल का दौरा पड़ा है लेकिन अभी रिकी पोंटिंग के किसी भी करीबी ने दिल का दौरा पड़ने की बात नहीं कही हैं। रिपोर्ट के मुताबित चैनल सेवन कमेंटेटर रिकी पोंटिंग ने दोपहर के खाना खाया था उसके बाद से ही उन्हें ठीक मेहसूस नहीं हो रहा था। वह मैच को छोड़ कर अपने रूम में चले गये थे। जहां उनकी तबियत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। 47 वर्षीय पोंटिंग ने स्वेच्छा से दिल का दौरा पड़ने जैसे लक्षणों को मेहसूस करने के एहतियात के तौर पर मदद मांगी थी। माना जाता है कि पोंटिंग की समस्या चक्कर आने से संबंधित है, वे आपात स्थिति के बजाय एहतियात के तौर पर हृदय परीक्षण के लिए अस्पताल गए।

# ऋतुराज का ऐतिहासिक शतक हुआ बेकार, सौराष्ट्र ने जीती विजय हजारे ट्रॉफी

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी 2022 के फाइनल मुकाबले में महाराष्ट्र के ऋतुराज गायकवाड़ के ऐतिहासिक शतक पर उस समय पानी फिर गया जब सौराष्ट्र ने 249 रन का लक्ष्य 46.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। महाराष्ट्र ने पहले खेलते हुए 9 विकेट के नुकसान पर 248 रन बनाए थे। जवाब में सौराष्ट्र ने शेल्डन जैक्सन के नाबाद 133 रनों की बदौलत पांच विकेट से जीत हासिल कर ली। इससे पहले महाराष्ट्र की शुरूआत खराब रही थी। सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने पहले छह ओवर में सिर्फ पांच रन देकर महाराष्ट्र के ओपनिंग बल्लेबाजों पर लगाम लगा दी। इसी कारण पवन शाह 4 तो बचव 27 तो भवने 16 रन बनाकर आऊट हो गए। लेकिन एक छोर संभाले बैठे गायकवाड़ ने पहले अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर तेजी से खेलते हुए टीम को 248 रनों तक ले गए। आजिम काजी ने 37, नौशाद शेख ने 31, सौरभ ने 13 रनों का योगदान दिया। चिराग जानी ने 43 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि कप्तान उनादकट ने 10 ओवर में महज 25 रन देकर एक विकेट हासिल किया। जवाब में खेलने उतरी सौराष्ट्र ने हरविक देसाईं और शेल्डन जैक्सन की बदौलत मजबूत शुरूआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 125 रन जोड़े। हरविक ने 67 गेंदों पर 50 रन बनाए। जे गोहिल के 0 तो समर्थ व्यास के 12 और अर्पित वासुदेवा के 15 रन पर आऊट होने के बाद शेल्डन जैक्सन ने चिराग जानी के साथ मिलकर टीम को जीत दिला दी। जैक्सन ने 136 गेंदों में 12 चौके और पांच छक्कों की मदद से 133 तो चिराग जानी ने 25 गेंदों में 30 रन बनाए। बता दें कि सौराष्ट्र के लिए यह सीजन शानदार रहा है। उन्होंने 8 मैचों में 6 जीत हासिल कीं। महाराष्ट्र ने इस सीजन में 7 मैच खेले जिसमें छह में जीत तो फाइनल में उन्हें हार मिली। तमिलनाडु के एन जगदीशन ने टूर्नामेंट में 830 रन बनाए जोकि टूर्नामेंट के एक सीजन में सबसे ज्यादा स्कोर है। इसी तरह वासुकी कौशिक ने 9 मैचों में सर्वाधिक 18 विकेट हासिल कीं।

### वजय हजारे ट्रॉफी : ये रहे सर्वाधिक रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाज, गायकवाड़ छक्कों के मामले में आगे

सौराष्ट्र ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले के दौरान महाराष्ट्र को 5 विकेट से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। महाराष्ट्र ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 248 रन बनाए, जवाब में सौराष्ट्र ने इसे 46.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। इसी के साथ यह भी आंकड़े सामने आ गए कि टूर्नामेंट में किस खिलाड़ी ने कैसा प्रदर्शन किया। आइए जानें किन 5 बल्लेबाजों के नाम सबसे ज्यादा रन और चौके-छक्के रहे-

**सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज-**

1. तमिलनाडु के लिए एन जगदीशन- 8 मैचों में 138.33 की एवरेज से 830 रन
2. महाराष्ट्र के लिए रुतुराज गायकवाड़- 5 मैचों में 220.00 की एवरेज से 660 रन
3. तमिलनाडु के लिए साइ सुदर्शन- 8 मैचों में 76.25 की एवरेज से 610 रन
4. महाराष्ट्र के लिए अंकित बावने- 9 मैचों में 83.86 की एवरेज से 587 रन
5. आसाम के लिए रियान पराग- 9 मैचों में 69.00 की एवरेज से 552 रन

# 'कैंसर' की जंग लड़ रहे पेले ने प्रशंसकों की दुआओं के लिये धन्यवाद कहा

साओ पाउलो । ब्राजील के महान फुटबॉल खिलाड़ी पेले ने गुरूवार को दुनिया भर के खेल प्रेमियों का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने कैंसर की लड़ाई के लिये उनके साओ पाउलो में अस्पताल में भर्ती किये जाने के बाद उनके लिये शुभकामनायें भेजी हैं। पेले के 'कोलोन ट्यूमर' का सितंबर 2021 में इलाज किया गया था। उनकी बेटी ने कहा था कि इसके उपचार के लिए मंगलवार को उन्हें यहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब से उन्हें दुनिया भर से उन्हें इस बीमारी से जल्द ठीक होने वाले संदेश मिल रहे है जिसमें कतर विश्व कप से ब्राजील के कोच टिटे का संदेश भी शामिल है। पेले ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कतर की एक इमारत की फोटो लगायी है जिस पर उनके जल्द उबरने का संदेश (गेट वैल सून) लिखा है। उन्होंने लिखा, ''इस तरह के सकारात्मक संदेश मिलना हमेशा अच्छा होता है। इस संदेश के लिये कतर का शुक्रिया और उन सभी का भी जिन्होंने मुझे सकारात्मक संदेश भेजे हैं।'' टिटे ने शुक्रवार को कैमरून के खिलाफ टीम के मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पेले के जल्द ठीक होने की शुभकामना दी थी। पेले की बेटी केली नैसिमेंटो ने बुधवार को कहा था कि उनके 82 वर्षीय पिता के स्वास्थ्य के संबंध में कोई आपात स्थिति नहीं है।

# फीफा विश्व कप : जापान और स्पेन के मुकाबले में हुआ विवादित गोल, इसने बदल दिया पूरा मैच

दोहा । जापान की टीम ने फीफा विश्व कप 2022 में एक दिसंबर को हुए अहम मुकाबले में एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की। दूसरे हाफ के शुरू में दो दागकर गुरूवार को देर रात यहां स्पेन पर 2-1 की जीत से फीफा विश्व कप के राउंड 16 के लिये क्वालीफाई किया। इस मैच में जापान की टीम ने एक विवादित गोल भी किया जो लगातार चर्चा में बना हुआ है। इस प्रतियोगिता में ग्रुप ई की चारों टीमें नॉकआउट में जगह बनाने के लिए जुटी हुई थी। जापान को इस मैच में बने रहने के लिए जीतना बेहद जरूरी था। स्पेन के लिये अलवारो मोराटा ने 11वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलायी थी। स्पेन ने मैच की अच्छी शुरुआत की और 1-0 की बढ़त लेने में सिर्फ 12 मिनट का समय लिया। अलवारो मोराटा ने ये गोल किया था। लेकिन जापान ने रित्सु दोआन के 48वें मिनट में किये गये गोल से 1-1 की बराबरी हासिल की। वहीं जापान की इस जीत में वीएआर के फैसले ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई। इसके बाद जापान के आओ टनाका ने जापान के लिए एक और गोल किया, जो मैच का फाइनल गोल साबित हुआ।

**दूसरे गोल ने खिंचा ध्यान**

मैच में जापान की टीम ने दो गोल दागे। जापान की ओर से किया गया दूसरा गोल ऐसा था जिसने फैंस का ध्यान अपनी ओर खिंचा है। शुरूआत में माना जा रहा था कि गोल को अवैध माना जाएगा मगर ऐसा नहीं हुआ। दरअसल ऐसा लग रहा था कि जापान के काओरू मितामा के खेलने से पहले गेंद बाहर हो गई थी, मगर जांच में पता चला है कि ऐसा नहीं था। इसे लेकर सोशल मीडिया पर विवाद छिड़ा हुआ है। फैंस इस गोल की लगातार फोटो शेयर कर रहे हैं। फैंस ने वीडियो शेयर किया है जिसमें ऐसा लग रहा है कि फुटबॉल लाइन के बाहर है।

इस मैच में जीत हासिल कर जापान ग्रुप ई की शीर्ष टीम और स्पेन दूसरे नंबर की टीम बनी है। नॉक आउट क्लैश में स्पेन की टीम मोरक्को की टीम के साथ भिड़ेगी। इस बीच जर्मनी और स्पेन के अंक समान है। मगर जर्मनी की टीम ने फीफा में वर्ष 2010 के विश्व विजेताओं यानी स्पेन की टीम से कम गोल किए है।

# विराट कोहली ही मेरी गेंद पर दो छक्के मार सकते थे, उनका क्लास अलग है, पाकिस्तानी गेंदबाज हारिस रऊफ का बयान

**इस्लामाबाद(एजेंसी)।** टी20 विश्व कप 2022 के दौरान भारत और पाकिस्तान का ऐतिहासिक मैच सभी को याद होगा। यह मैच आखिर गेंद तक हार-जीत के दांव में फंसा था लेकिन विराट कोहली की शानदार पारी ने खेल को भारत के पक्ष में तब मोड़ दिया जब पाकिस्तान के स्टार खिलाड़ी हारिस राउफ गेंदबाजी करने रहे थे। पाकिस्तान के स्टार गेंदबाज हारिस रऊफ का मानना है कि अक्टूबर में टी20 विश्व कप मैच में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की रोमांचक जीत में उन दो छक्कों के लिए विराट कोहली को छोड़कर विश्व क्रिकेट का कोई भी खिलाड़ी उनकी गेंद पर वो शॉट कोई नहीं खेल सकता था। विराट कोहली एक अलग स्तर के खिलाड़ी हैं इस लिए मुझे बुरा नहीं लगा था। अगर ऋषभ पंथ या हार्दिक पांड्या उस गेंद पर छक्का मारते तब में सोचता और परेशान होता कि आखिर मेरी गेंद में कहा कमी थी। विराट ही उस बॉल पर सिक्स मारने का दम रखते हैं। हारिस रऊफ ने विराट कोहली के बारे में यह बात उस वक्त कही जब उनसे ये सवाल पूछा गया कि विश्व कप में जब पाकिस्तान जीता हुआ मैच हारे और आपकी गेंद पर विराट कोहली ने मैच विनिंग छक्के मारे तो क्या उन्हें बुरा लगा था।

स्टार गेंदबाज हारिस रऊफ ने उस उन दो हिट्स के बारे में पहली बार एक पाकिस्तानी वेबसाइट से बात करते हुए, कहा कि अगर हार्दिक पांड्या या दिनेश कार्तिक ने उन्हें इस तरह से मारा होता, तो उन्हें 'आहत' महसूस होता। कोहली की 52 गेंदों में नाबाद 83 रनों की पारी को टी20 की सबसे बड़ी पारियों में से एक माना जाता है, जिससे भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को चार विकेट से हरा दिया। उन्होंने कहा, 'वह उनका (विराट कोहली) क्लास था और वह जिस तरह के शॉट खेलते हैं, और जो दो छक्के उन्होंने मारे, मुझे नहीं लगता कि कोई अन्य खिलाड़ी इस तरह के शॉट लगा सकता है। अगर दिनेश कार्तिक या हार्दिक पांड्या ने मुझे ऐसे मारा होता तो मुझे बुरा लग जाती लेकिन वह कोहली थे और वह अलग वर्ग के खिलाड़ी है। मुझे नहीं पता था कि वह (कोहली) मुझे इतनी लेंथ से जमीन पर मार सकते है। इसलिए जब उन्होंने मेरी गेंद पर छक्का मारा तो वह उसकी क्लास को दर्शा रहा था। मेरी योजना और क्रियान्वयन ठीक था लेकिन वह शॉट शानदार था।

रऊफ ने कहा देखिए, भारत को आखिरी 12 गेंदों में 31 रन चाहिए थे। मैंने चार गेंदों पर केवल तीन रन दिए थे। मुझे पता था कि नवाज आखिरी ओवर कर रहे हैं, वह एक स्पिनर हैं और मैंने उनके लिए कम से कम चार बड़ी बाउंड्री और कम से कम 20 से अधिक रन छोड़ने की कोशिश की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# मानुषी छिल्लर कर रहीं इस बिजनेसमैन को डेट, लिव इन में हुई शिफ्ट!

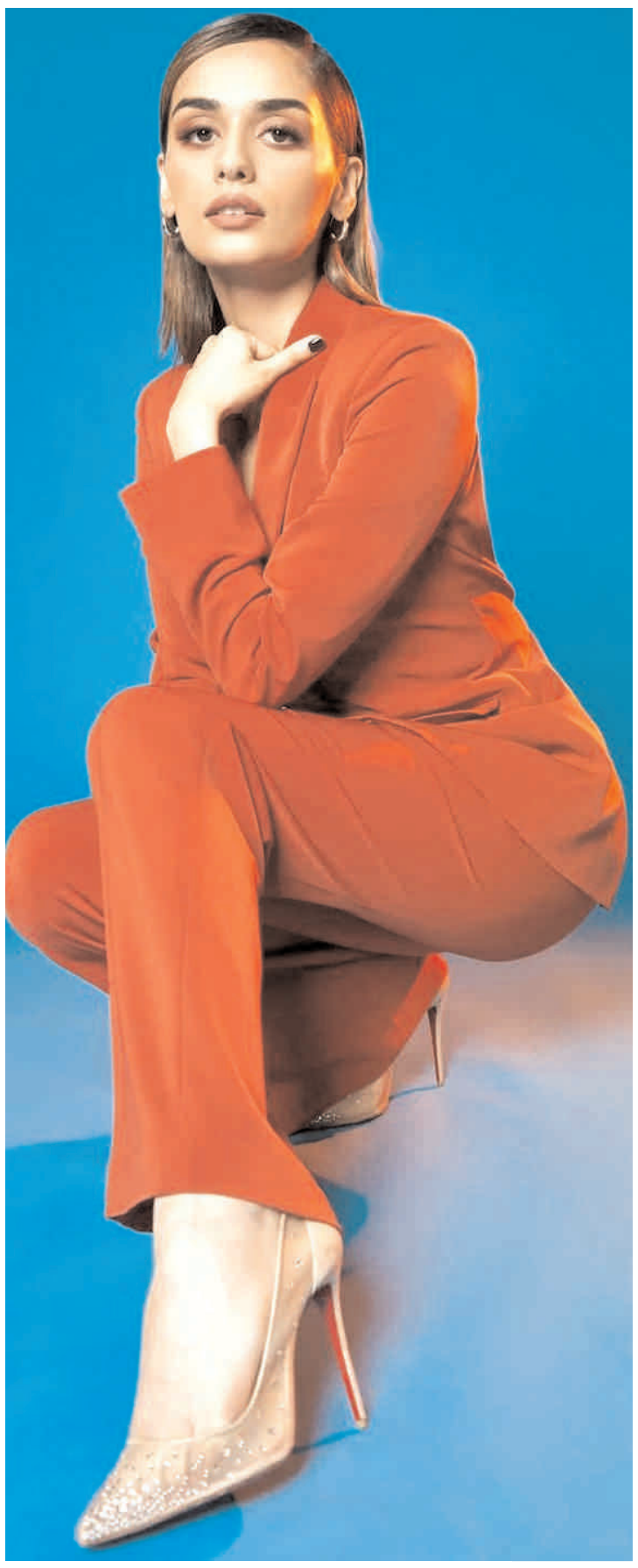

बॉलीवुड इंडस्ट्री से हर दिन किसी ना किसी सेलेब्स के लिंकअप और ब्रेकअप की खबरें आती रहती हैं। अब पूर्व मिस वर्ल्ड और एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर अपने रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं। खबरों के अनुसार मानुषी कथित तौर पर बिजनेसमैन निखिल कामत के साथ रिलेशनशिप में हैं। बताया जा रहा है कि मानुषी और निखिल कामत 2021 से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों अक्सर साथ में ट्रिप पर जाते हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों साथ में लिव इन में भी रह रहे हैं। दोनों के परिवारवालों को इस रिश्ते से कोई आपत्ति नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, मानुषी और निखिल का रिश्ता हर दिन के साथ काफी मजबूत हो रहा है। मानुषी वर्तमान में अपने अभिनय करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं और यही एक कारण है कि वह अपनी लव लाइफ के बारे में बात नहीं करना चाहतीं। बिजनेसमैन निखिल कामत इंडियन फाइनेंशियल कंपनी जेरोधा के को-फाउंडर है। निखिल ने 2019 में इटली में अमांडा नाम की महिला से शादी चराई थी। हालांकि एक साल के भीतर ही दोनों अलग हो गए थे। निखिल ने 2021 में तलाक ले लिया था।

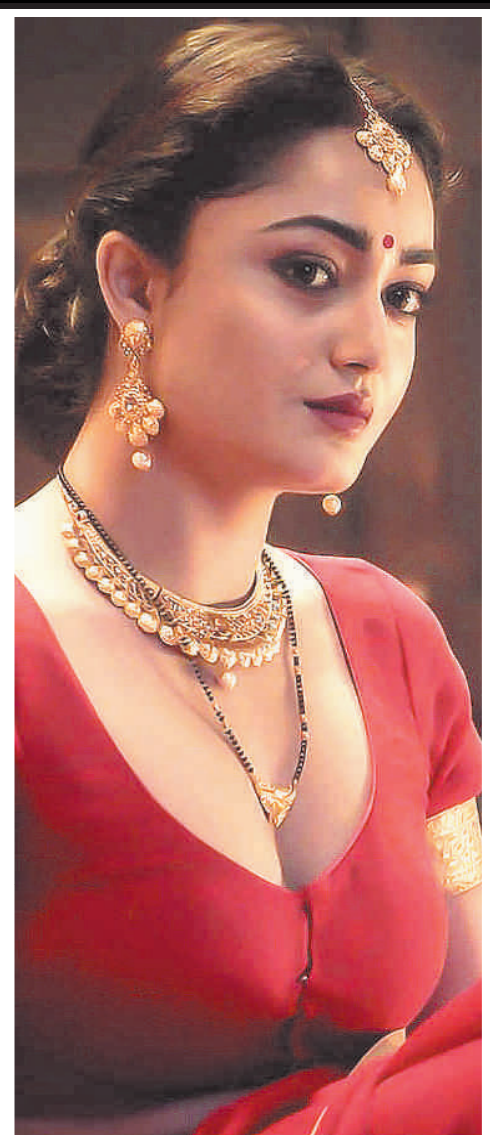

# धड़कनें बढ़ा देती हैं आश्रम वाली त्रिधा की ये तस्वीरें

प्रकाश झा के निर्देशन में बनी लोकप्रिय वेब सीरीज आश्रम के जरिए रातो रात इंटरनेट सेंसेशन बनीं त्रिधा चौधरी 22 नवंबर 2022 को अपना 29वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में जन्मीं त्रिधा साल 2013 से ही दर्शकों को एंटरटेन करती आ रही हैं। उन्होंने तमाम बंगाली, तेलुगू और हिंदी फिल्मों और टीवी शोज में काम किया है। लेकिन वेब सीरीज आश्रम में उनका बबीता जी वाला किरदार लोग कभी नहीं भूल पाए।

**-आश्रम में क्या था त्रिधा चौधरी का किरदार?**

साल 2020 में आई वेब सीरीज आश्रम में त्रिधा ने सत्ती की पत्नी बबीता का किरदार निभाया था। एक ऐसी लड़की जिसे आश्रम के लोग वैश्यालय से लाकर उसकी शादी आश्रम में काम करने वाले लड़के से करवा देते हैं। सीरीज में न सिर्फ त्रिधा चौधरी की एक्टिंग काबिल-ए-तारीफ थी, बल्कि उनकी बोल्ड अदाओं पर भी फैंस मर मिटे।

**-जब फैंस ईशा गुप्ता से करने लगे थे तुलना**

त्रिधा चौधरी ने सीरीज में कई बोल्ड सीन दिए थे और उन्होंने इन सीन्स को इतनी खूबसूरती से किया कि देखने वालों की धड़कनें बढ़ गईं। इतना ही नहीं त्रिधा चौधरी के बाद अगली सीरीज में जब मेकर्स ने ईशा गुप्ता को साइन किया तो बहुत से लोगों ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईशा वो कमाल नहीं दिखा पाईं जो ईशा गुप्ता ने अपने किरदार के जरिए किया था।

**-सुपरहिट हो गई थी बॉबी देओल की सीरीज**

त्रिधा चौधरी को बॉबी देओल स्टारर इस सीरीज के जरिए खूब फेम मिला। बता दें कि बॉबी देओल ने इस सीरीज में लीड रोल प्ले किया था। आश्रम को इतना जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला इसके 3 सीजन अभी तक आ चुके हैं। सीरीज में में बॉबी देओल ने एक धूर्त बाबा का रोल प्ले किया है, जो आश्रम की आड़ में कई काले काम करता है।

## मिताली नाग ने बताया आशिकाना 2 के लिए हां क्यों कहा

स्ट्रीमिंग शो आशिकाना के दूसरे सीजन में एक नया मोड़ लाने वाली अभिनेत्री मिताली नाग ने खुलासा किया है कि किस चीज ने उन्हें शो के लिए हामी भरने के लिए मजबूर किया। अभिनेत्री ने साझा किया कि शो के साथ ओटीटी के स्थान पर काम करने का अवसर कुछ ऐसा है जिसने उनके लिए डील को सील कर दिया क्योंकि उन्होंने टेलीविजन से स्ट्रीमिंग माध्यम में एक सफल परिवर्तन करने के बारे में सोचा। इसके बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, इसलिए जब कास्टिंग डायरेक्टर डिंपी ने मुझे आशिकाना सीजन 2 की पेशकश की, तो ईमानदारी से कहूं तो मैं बहुत खुश थी क्योंकि सीरीज एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होती है। इसने मुझे टीवी से ओटीटी में छलांग लगाने का मौका दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि यह शो के निर्देशक की कहानी कहने की क्षमता थी जिसने उसे स्ट्रीमिंग सीरीज लेने का विश्वास दिलाया। उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से मेरे की थी। मुझे पता है कि वह कितनी रचनात्मक हैं इसलिए मुझे यकीन था कि आशिकाना 2 भी एक अनूठा शो होने वाला था। आशिकाना सीजन 2 डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होता है।

# शाहरुख को असाधारण काम के लिए किया जाएगा सम्मानित

मेगास्टार शाहरुख खान एक ऐसी शख्सियत हैं जिनकी लोकप्रियता की कोई सीमा नहीं है और यह पूरी दुनिया में छाए हैं। 100 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके किंग खान के नाम कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं। लेकिन जैसा कि हमने कहा, बादशाह की लोकप्रियता का कोई अंत नहीं है, वह आने वाले रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ने सोमवार को घोषणा की कि लेजेंड्री भारतीय अभिनेता और निर्माता शाहरुख खान को फिल्म इंडस्ट्री में उनके असाधारण योगदान के लिए रेड सी, जेद्दा में फेस्टिवल के दूसरे एडिशन के उद्घाटन समारोह के दौरान एक ऑनरी अवॉर्ड दिया जाएगा। लगभग सभी के दिलों पर राज करने वाले अभिनेता और निर्माता बॉलीवुड के बादशाह हैं और दुनिया के सबसे सफल फिल्मी सितारों में से एक हैं। फिल्म उद्योग में तीन दशकों से अधिक समय के साथ, शाहरुख खान ने अपनी कोशिशों के लिए कई पुरस्कार और ढेर सारी तारीफ हासिल की, भारत और दुनिया भर में एक असाधारण करियर बनाया है। इसके अलावा, सेल्फ मेड स्टार बनने का उनका सफर वास्तव में सभी के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। रेड सी आईएफएफ के सीईओ मोहम्मद अल तुर्की ने इस पर बात करते हुए कहा, हम शाहरुख खान को सम्मानित करते हुए रोमांचित हैं, जो एक उल्लेखनीय प्रतिभा और ग्लोबल सुपरस्टार हैं। उन्होंने अपने शुरुआती प्रदर्शनों से दर्शकों को आकर्षित किया है और आज काम करने वाले दुनिया के सबसे प्रसिद्ध अभिनेताओं में से एक है। इंडस्ट्री में 30 सालों के बाद, शाहरुख खान भारतीय सिनेमा के सबसे सफल सुपरस्टारों में से एक हैं और दुनिया भर के दर्शकों द्वारा पसंद किए जाते हैं। हम इस दिसंबर में जेद्दा में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

# वेकेशन मनाने गईं तारक मेहता की बबीता जी का हुआ एक्सीडेंट

तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो सभी का फेवरेट है। शो के हर किरदार ने दर्शकों के बीच एक अलग जगह बनाई है। बीते दिनों शो में चंपक चाचा का किरदार निभाने वाले एक्टर अमित भट्ट शूटिंग सेट पर घायल हो गए थे। अब शो में बबीता जी का किरदार निभाने वाली मुनमुन दत्ता का भी एक्सीडेंट हो गया है। मुनमुन दत्ता ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करके दी है। मुनमुन इन दिनों यूरोप घूमने निकली हैं। लेकिन दुर्भाग्य से जर्मनी में उनका एक्सीडेंट हो गया। अपनी इंस्टा स्टोरी में मुनमुन ने बताया, जर्मनी में मेरा एक छोटा सा एक्सीडेंट हो गया था। मेरे बाएं घुटने में काफी चोट लगी है। इसलिए मुझे अपना टूर खत्म करके घर वापस लौटना पड़ा है। इसके साथ उन्होंने टूटे हुए दिल वाली इमोजी भी लगाई है। बता दें कि मुनमुन दत्ता बीते दिनों स्विट्जरलैंड के इंटरलेकन से ट्रेन से जर्मनी गई थीं। तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो से खूब पॉपुलैरिटी बटोरी हैं। वह इस शो में शुरुआत से नजर आती फिल्म हॉलिडे में भी नजर आ चुकी हैं।

# ऋतिक ने सबा के साथ रहने की खबरों को किया खारिज

ऋतिक रोशन ने अपनी कथित गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ रहने की सभी अफवाहों को खारिज कर दिया है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वॉर स्टार और उनकी पार्टनर सबा जल्द ही एक साथ रहने वाले हैं। यह भी कहा कि वे यहां मन्नत नामक एक इमारत में एक अपार्टमेंट में एक साथ रहने की योजना बना रहे थे। हालांकि, ऋतिक ने ट्विटर पर इस अफवाह का खंडन करने के लिए कहा, इसमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने अपने ट्विटर पर समाचार रिपोर्ट साझा की और कहा, एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में, मैं समझता हूं कि मैं जिज्ञासा के दायरे में रहूंगा, लेकिन यह सबसे अच्छा है अगर हम गलत सूचनाओं को दूर रखें, खासकर हमारे रिपोर्ताज में, जो एक जिम्मेदारी का काम है। अभिनय के मोर्चे पर, उन्हें हाल ही में विक्रम वेधा में सैफ अली खान के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए देखा गया था। वह अगली बार फाइटर में दिखाई देंगे, जिसे दीपिका पादुकोण के साथ भारत की पहली एरियल एक्शन मैग्नम ओपस के रूप में पेश किया जाएगा।

# कंसर्ट के बाद अचानक चली गई श्रेया की आवाज

बॉलीवुड की फेमस सिंगर श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज से इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है। श्रेया ने हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु और बंगाली गानों में भी अपनी आवाज दी है। श्रेया घोषाल इन दिनों यूएस टूर पर है। इस बीच सिंगर ने फैंस के साथ एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। श्रेया घोषाल ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर करके बताया कि ऑरलैंडो कान्सर्ट के दौरान उनकी आवाज पूरी तरह से चली गई थी। डॉक्टर की मदद की वजह से वो अब ठीक है। इलाज के बाद श्रेया ने एक और कॉन्सर्ट अटेंड किया। श्रेया घोषाल ने लिखा, ऑरलैंडो में रात के म्यूजिक कान्सर्ट के बाद मैंने अपनी आवाज पूरी तरह खो दी। शुभचिंतकों के आशीर्वाद और डॉ. समीर भार्गव की बेहतरीन देखभाल के कारण मैं अपनी आवाज वापस पा सकी। इसके बाद मैं न्यूयॉर्क एरिना में 3 घंटे के संगीत समारोह में गा सकी। श्रेया ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, आज मैं बहुत इमोशनल हूं। मैं अपने बैंड, फैम और अपनी ए टीम से बहुत प्यार करती हूं। उन्होंने मेरे सबसे अच्छे और बुरे दौर में मेरा साथ दिया है। मुझे साइन करने में मदद की चाहे कुछ भी हो। हालांकि वो फिलहाल बिल्कुल ठीक है। श्रेया घोषाल ने साल 2000 में रियलिटी शो सारे गा मा में भाग लिया था। इसके बाद संजय लीला भंसाली ने उन्हें 2002 में फिल्म देवदास से गाने का मौका दिया। श्रेया ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपनी आवाज का जादू बिखेर चुकी हैं।

## लश्कर और जैश को मजबूत करने में जुटा तालिबान, पूर्व अफगान सुरक्षा प्रमुख ने किया बड़ा दावा

अफगानिस्तान के पूर्व खुफिया प्रमुख रहमतुल्लाह नबील ने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ अपनी व्यस्तता के बावजूद भारत को अपनी सुरक्षा में कमी नहीं आने देनी चाहिए। तालिबान और अधिक प्रौद्योगिकी क्षेत्र तक पहुंच रखते हैं। नबील ने कहा कि भारत के 'स्वयं के हित' में तालिबान के साथ बातचीत आवश्यक थी, नई दिल्ली को पूर्व नेताओं के साथ भी चैनल खुले रखने चाहिए, भले ही वे अब सत्ता से बाहर हैं। नबील ने राष्ट्रपति हामिद करजई और राष्ट्रपति अशरफ गनी दोनों के अधीन राष्ट्रीय रक्षा सचिवालय के निदेशक के रूप में कार्य किया है। उन्होंने अपने कार्यकाल (2010-2015) के दौरान भारत के साथ निकटता से सहयोग किया था। लेकिन गनी की पाकिस्तान यात्रा पर नबील ने इस्तीफा दे दिया था। हाल ही में एक रिपोर्ट भी सामने आई थी जिसमें कहा गया था कि अफगानिस्तान के सिर्फ नंगरहार जिले में आठ आतंकी प्रशिक्षण कैंप चलाये जा रहे हैं जिसमें से तीन कैंप पूरी तरह से तालिबान के आतंकियों की देख-रेख में चलाए जा रहे हैं। यूएनएससी की तरफ से गठित समिति की यह 13वीं रिपोर्ट है। यह भी बता दें कि यूएनएससी की उक्त समिति की पहले की रिपोर्ट में कहा गया है कि जैश व लश्कर काफी पहले से तालिबान को वित्तीय व प्रशिक्षण की मदद दे रहे थे और अब जबकि तालिबान ने वहां सरकार बना ली है तो वह इन संगठनों को उसी तरह से मदद कर रहा है।

## अफ्रीका महाद्वीप को मिलेगी एमपॉक्स टीकों का पहली खेप

अफ्रीका के शीर्ष स्वास्थ्य निकाय का कहना है कि इस महाद्वीप को दक्षिण कोरिया से दान के तौर पर एमपॉक्स टीकों की पहली खेप मिलने वाली है। अफ्रीका सेंटर्स फोर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशंस ने बृहस्पतिवार को कहा कि 50,000 खुराकों का उपयोग पहले स्वास्थ्यकर्मियों तथा सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों के लिए किया जाएगा। वैसे इन खुराकों के पहुंचने का कोई समय नहीं बताया गया है। इस महाद्वीप में इस साल एमपॉक्स से 202 लोगों की जान गयी है। तेरह देशों में इस बीमारी के रोगियों मृत्युदर 19.3 प्रतिशत है। एमपॉक्स पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था। सीडीसी के कार्यकारी निदेशक ओगवेल ने कहा कि पिछले सप्ताह कांगो में एमपॉक्स के 51 नये मामले सामने आये जबकि घाना और नाइजीरिया अन्य सबसे प्रभावित देश हैं।

## स्पेन में अमेरिकी दूतावास से संदिग्ध लिफाफा मिला

वाशिंगटन। स्पेन के मैड्रिड में अमेरिकी दूतावास में एक संदिग्ध लिफाफा मिला है। स्पेनिश अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिकी दूतावास ने 'एसोसिएटेड प्रेस' के इस संबंध में पूछे जाने पर कहा, ''हम पुष्टि कर सकते हैं कि मैड्रिड में अमेरिकी दूतावास में एक संदिग्ध पैकेट प्राप्त हुआ था, और पूरे स्पेन में अन्य स्थानों पर भेजे गए अन्य पैकेट की सूचना से अवगत हैं।'' दूतावास ने कहा, ''हम इस मामले में उनकी सहायता के लिए स्पेनिश कानून प्रवर्तन अधिकारियों के आभारी हैं।'' अधिकारियों ने स्पेन की राजधानी में स्थित दूतावास की सुरक्षा बढ़ाते हुए उसकी घेराबंदी कर दी है। पुलिस का कहना है कि डाक पैकेट में छुपाए गए अन्य विस्फोटक उपकरण पिछले दो दिनों में स्पेन के रक्षा मंत्रालय, स्पेन में एक यूरोपीय संघ के उपग्रह केंद्र और एक हथियार कारखाने में भेजे गए थे। स्पेन के गृह मंत्रालय ने कहा कि पुलिस ने अमेरिकी दूतावास में पाए गए लिफाफे में विस्फोटक को निष्क्रिय कर दिया। इसमें किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि इसी तरह का एक विस्फोटक उपकरण 24 नवंबर को स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज को नियमित डाक द्वारा भेजा गया था, लेकिन बम निरोधक विशेषज्ञों द्वारा इसे निष्क्रिय कर दिया गया। स्पेन की पुलिस ने राजधानी मैड्रिड के बाहरी इलाके में स्थित वायुसेना के ठिकाने पर भेजे गए एक 'लैटर बम' का बृहस्पतिवार तड़के पता लगाया था। मैड्रिड में रूसी दूतावास ने 'लैटर बम' मिलने के बाद एक ट्वीट में कहा, 'कोई भी खतरा या राजनयिक मिशनों को निशाना बनाकर किया गया कोई भी आतंकवादी हमला, पूरी तरह से निंदनीय है।' इस बीच यूक्रेन के विदेश मंत्री दमित्रो कुलेबा ने विदेशों में सभी यूक्रेनी दूतावासों में सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिये और उन्होंने स्पेन के अपने समकक्ष से इस घटना की शीघ्र जांच के लिए कहा है। स्पेन की राष्ट्रीय अदालत इस घटना की जांच आतंकवादी कृत्य मानकर कर रही है। सुरक्षा मंत्री राफेल पेरेज ने कहा कि एक प्रारंभिक मूल्यांकन से संकेत मिलता है कि पहले पांच पैकेट स्पेन के भीतर से भेजे गए थे। पुलिस ने कहा कि एक 'लैटर बम'' को छोड़कर बाकी सभी को निष्क्रिय कर दिया गया।

## हैती में गिरोहों के बीच वर्चस्व की लड़ाई में 12 व्यक्तियों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क. हैती की राजधानी के निकट गिरोहों के बीच वर्चस्व की लड़ाई में 12 से अधिक व्यक्तियों की मौत हो गयी जबकि एक दर्जन से अधिक घरों को आग लगा दी गयी। शहर के महापौर ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। महापौर जोसेफ जेनसन गुइलोम ने बताया कि यह घटना मंगलवार आधी रात के आसपास पोर्ट ऑ प्रिंस के उत्तरपश्चिम स्थित एक छोटे शहर काबारेट में हुयी। उन्होंने बताया कि पूरे हैती में हिंसा में वृद्धि के मद्देनजर नगर के एक इलाके में स्थानीय लोगों को सुरक्षा गार्ड के रूप में सेवा देने के लिए तैनात किया था, लेकिन गिरोहों ने मशीनगन के बल पर उन्हें अपने नियंत्रण में ले लिया। गुइलोम ने बताया, ''वे लोग अपने बचाव के लिये कुछ भी नहीं कर पाये। यह एक भयावह घटना है।'' सोशल मीडिया पर जारी तस्वीरों एवं वीडियो में घरों के बाहर लोगों के क्षत विक्षत शव पड़े दिखे जबकि घरों में आग लगी हुयी थी। इसके अनुसार घटना में 20 से अधिक घर जलकर खाक हो गये।

## यूक्रेन दूतावास में विस्फोट के एक दिन बाद स्पेन में अमेरिकी दूतावास से मिला संदिग्ध लिफाफा

इंटरनेशनल डेस्क। स्पेनिश अधिकारियों का कहना है कि यूक्रेनी दूतावास की घटना के मद्देनजर मैड्रिड में अमेरिकी दूतावास में संदिग्ध पैकेज का पता चला है। स्पेन के अधिकारियों का कहना है कि मैड्रिड में अमेरिकी दूतावास में एक संदिग्ध लिफाफा मिला है और उसे पुलिस के नियंत्रण में रखा गया है। गुरुवार को यह खोज तब आई जब पुलिस ने स्पेन की राजधानी में भेजे जाने वाले विस्फोटक पैकेजों की एक लहर की सूचना दी, जिसमें एक यूक्रेनी दूतावास में प्रज्वलित भी शामिल था। पुलिस ने कहा कि डाक पैकेजों में छुपाए गए अन्य विस्फोटक उपकरण पिछले दो दिनों में स्पेन के रक्षा मंत्रालय, स्पेन में एक यूरोपीय संघ के उपग्रह केंद्र और यूक्रेन में भेजे जाने वाले ग्रेनेड बनाने वाले हथियारों के कारखाने को भेजे गए थे। स्पेन के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि पुलिस ने अमेरिकी दूतावास में पाए गए लिफाफे में विस्फोट कर दिया। चोटों की कोई रिपोर्ट नहीं थी।

## समुद्री जहाज से लटककर तय किया 3200 की.मी का सफर, बिना खाए-पिए 11 दिन बाद पहुंचे दूसरे देश

इंटरनेशनल डेस्क। तीन लोगों ने समुद्री जहाज के पतवार से लटककर करीब 3200 किमी का लंबा सफर तय किया है। इन लोगों ने नाइजीरिया के लागोस से कैनरी द्वीप का सफर जिस तरह से तय किया है, उसे जानने के बाद हरकोई हैरान रह गया है। 11वें दिन जब कैनरी द्वीप पहुंचे तो इन तीनों लोगों की हालात काफी बिगड़ गई थी। लंबी यात्रा की वजह से तीनों ही लोग डिहाइड्रेशन और हाइपोथर्मिया से ग्रस्त हो गए। बता दें कि, कोस्ट गार्ड द्वारा अवैध रूप से स्पेनिश देश में घुसने के आरोप में तीनों लोगों को पकड़ा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीनों ने एक ऑइल टैंकर वाले जहाज एलिथिनी ह्वुह्वु के पतवार पर बैठकर सफर किया। यह हिस्सा जगह के पिछले हिस्से में नीचे की ओर होता है, जो पानी से बेहद करीब होता है। ये तीनों जहाज के जिस पतवार पर बैठे हुए थे, इनकी फोटो देखने के बाद हरकोई हैरान रह गया। वायरल फोटो में इन लोगों के पैर समुद्र की लहरों से महज कुछ इंच की दूरी पर दिख रहे हैं। लोग यह सोचकर दंग रह गए कि ग्यारह दिनों तक भूखे प्यासे कैसे जीवित रहे।

# रूस-यूक्रेन संघर्ष मामले में भारत 'निष्क्रिय' नहीं : सुरक्षा परिषद अध्यक्ष कम्बोज

**बीजिंग (एजेंसी)।** संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने कहा है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के मामले में भारत दोनों पक्षों से बात कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नयी दिल्ली इस युद्ध को लेकर 'निष्क्रिय' नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की दिसंबर महीने के लिए अध्यक्ष रुचिरा ने कहा कि भारत ने शांति का पक्ष लिया है और कूटनीति एवं संवाद के जरिये तनाव कम करने का समर्थन किया है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक-एक महीने के लिए क्रमवार मिलने वाली अध्यक्षता के तहत दिसंबर माह में इस पद की जिम्मेदारी भारत ने बृहस्पतिवार को संभाली।

पंद्रह सदस्यीय इस निकाय की अध्यक्षता करने के दौरान भारत आतंकवाद की रोकथाम और बहुपक्षीय सुधार को लेकर कई प्रमुख कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा। भारत की इस अध्यक्षता के साथ ही उसकीसुरक्षा परिषद की दो साल की सदस्यता की अवधि भी समाप्त हो जाएगी क्योंकि परिषद में अस्थायी सदस्यों का केवल दो साल का कार्यकाल होता है। कम्बोज ने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में जोर देकर कहा कि भारत और रूस महत्वपूर्ण संबंधों को साझा करते हैं। उन्होंने कहा, '' भारत बहुत बड़ा देश है। वह अपने पैरों पर खड़ा है और उसे स्वयं पर गर्व है। जहां तक यूक्रेन संघर्ष का सवाल है, तो हमशुरू से ही अपने रुख को लेकर स्पष्ट हैं। हमने एक स्वर में शांति की बात की। हमने शांति का पक्ष लिया और समाधान के लिए कूटनीति और संवाद का समर्थन किया।''

कम्बोज ने यह टिप्पणी रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बयान के बारे में पूछे गए सवाल पर की। लावरोव ने कहा था कि नाटो भारत को रूस विरोधी और चीन विरोधी गठबंधन में खींचना चाहता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर '' दोनों पक्षों से बात कर रहे हैं।'' कम्बोज ने कहा, ''हम उन कुछ देशों में हैं जो दोनों पक्षों से बातचीत करने की हिम्मत रखते हैं।'' इसके साथ ही उन्होंने मोदी की उस टिप्पणी का उल्लेख किया जिसमें उन्होंने कहा था कि '' यह युद्ध का युग नहीं है''। इस टिप्पणी को वैश्विक मान्यता मिली और यहां तक कि, हाल में इंडोनेशिया के बाली में अंगीकार किए गए जी-20 घोषणापत्र में भी इसे जगह दी गई।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि ने कहा कि भारत को मानवीय स्थिति की जानकारी है और उसने चिकित्सा मदद की 12 खेप यूक्रेन भेजी है और वहां शिक्षण संस्थानों के निर्माण के लिए वित्तीय मदद की है। उन्होंने कहा, ''साथ ही हमारे रूस के साथ भी अच्छे संबंध हैं, रूस के साथ हमारे महत्वपूर्ण संबंध हैं। जहां तक अमेरिका से संबंधों का सवाल है तो वह वृहद रणनीतिक साझेदारी है जो पहले कभी इतनी करीबी और मजबूत नहीं थी जैसी आज है।'' सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष के तौर पर यूक्रेन संकट से निपटने में भारत के रुख के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''हम सभी पक्षों से संपर्क जारी रखेंगे।

# प्रदर्शनकारियों पर न गोली चली न टैंकर ! चीन में पहली बार जनता के सामने नरम पड़ी सरकार

### कोविड-19 प्रतिबंधों में दी जाएगी छूट

**बीजिंग (एजेंसी)।** चीन से भले ही कोई खबरें सामने नहीं आती हो लेकिन अब हालात काबू से बाहर हो रहे हैं। चीनी तानाशाह शी जिनपिंग की जीरो कोविड पॉलिसी के खिलाफ लोग सड़को पर उतर आये हैं। कोविड विरोधी प्रदर्शनों ने सख्त कोविड प्रतिबंधों को समाप्त करने का आह्वान किया। अधिक चीनी शहर कड़े कोरोनोवायरस प्रतिबंधों पर अपने सख्त रुख को बदलने और कुछ वायरस प्रतिबंधों को कम करने के लिए तैयार हैं। सख्त कोविड नीतियों, लंबे लॉकडाउन और सामूहिक परीक्षण ने कई चीनी शहरों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया, प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इस्तीफे और लॉकडाउन को समाप्त करने की मांग की। समाचार एजेंसी एपी ने बताया कि एक प्रमुख विकास में, उत्तर में ग्वांगझू और चोंगकिंग के अलावा, उत्तर में शिजियाझुआंग, दक्षिण पश्चिम में चेंगदू और अन्य प्रमुख शहरों ने अब घोषणा की है कि वे परीक्षण आवश्यकताओं और आंदोलन पर नियंत्रण को कम कर रहे हैं। यह कदम चीनी शहरों ग्वांगझू और चोंगकिंग द्वारा बुधवार को सख्त कोविड -19 प्रतिबंधों में ढील देने की घोषणा के बाद आया है। इस बीच चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा है कि बुजुर्ग लोगों को टीका लगवाने के लिए प्रोत्साहित करने की उनकी योजना है क्योंकि उन्हें संक्रमण का 'उच्च जोखिम' है।

**यहां देखें चीनी घटनाक्रम**

1- अधिक चीनी शहरों ने घोषणा की है कि वे कोविड पाबंदियों में ढील दे रहे हैं क्योंकि चीन अपनी शून्य कोविड नीति के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन देख रहा है। यह जनता के गुस्से को कम करने और अधिक विरोध से बचने का प्रयास है। समाचार पत्र Yicai ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि राजधानी शहर बीजिंग ने कुछ लोगों को संक्रमण के साथ घर पर अलग-थलग करने की अनुमति देना शुरू कर दिया है। हालांकि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सख्त 'कोविड-19 नीति' एक और साल तक बनी रह सकती है।

2- रिपोर्ट में कहा गया है कि शेनयांग और हार्बिन में चीन के औद्योगिक केंद्रों ने घोषणा की कि जो छात्र ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेते हैं और अन्य जो बहुत कम बातचीत करते हैं, उन्हें अब वायरस परीक्षण से गुजरने की आवश्यकता नहीं होगी, जो दिन में एक बार किया जाता है। महामारी रोधी एजेंसी ने फैक्स द्वारा अपने कार्यालय को भेजे गए सवालों का जवाब नहीं दिया।

3- मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि आने वाले दिनों में पूरक उपायों की घोषणा के बीच चीन कुछ ऐसे लोगों को घर पर क्वारंटाइन करने की अनुमति देगा, जो कोविड के लिए सकारात्मक परीक्षण करते हैं। गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग और अंतर्निहित बीमारियों वाले लोग घर पर अलग-थलग रहने के योग्य होंगे।

4- एपी ने बताया सरकार ने वादा किया है कि वह संगरोध अवधि को कम करके और अन्य महत्वपूर्ण बदलाव करके अपनी 'शून्य कोविड' रणनीति के व्यवधान को कम करेगी। हालांकि, स्कूल और व्यवसाय बंद रहेंगे और आस-पड़ोस तक पहुंच को निलंबित कर दिया जाएगा।

5- बुजुर्ग आबादी को टीका लगाने के अभियान ने आशा जगाई है कि चीन गंभीर एंटी-वायरस नियंत्रण वापस ले सकता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि उसका अभियान 60 से अधिक लोगों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसने कहा कि यह 70 और 80 के दशक में उन लोगों तक पहुंचने के लिए मोबाइल टीकाकरण इकाइयां भेजेगा जो घर से बाहर नहीं जा सकते।

6- आयोग के अनुसार, 10 में से 9 चीनी को टीका लगाया गया है, लेकिन 80 से अधिक लोगों में से केवल 66त्न लोगों को एक टीका मिला है। जबकि 40 प्रतिशत को बूस्टर शॉट मिला और 60 वर्ष से अधिक आयु के 86 प्रतिशत लोगों ने टीका लगवाया।

7- शिनजियांग के उरुमकी में एक अपार्टमेंट इमारत में आग लगने के बाद चीन में विरोध प्रदर्शन भड़क गए, जिसमें दस लोगों की मौत हो गई और नौ घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कड़े कोविड उपायों ने बचाव कार्यों में बाधा उत्पन्न की, इस आरोप से अधिकारियों ने इनकार किया। चीन के सख्त नियंत्रण उपायों ने इस साल घरेलू आर्थिक गतिविधियों को कम कर दिया है और आपूर्ति श्रृंखला रुकावटों के माध्यम से अन्य देशों में फैल गया है।

8- चीन में विरोध प्रदर्शनों के बीच बृहस्पतिवार कोकठोर जीरो-कोविड नीति में छूट दी गई और पूर्व राष्ट्रपति जियांग जेमिन के अंतिम संस्कार की तैयारियों के मद्देनजर देशभर में सुरक्षा बढ़ा दी गई, जिनका एक दिन पहले निधन हो गया था। मीडिया में आईं खबरों के अनुसार, ठंड के मौसम में लोगों की आजीविका सुनिश्चित करने के लिए पूरे चीन में पाबंदियों में ढील दी गई है। जीरो-कोविड नीति के विरोध के बाद चीन के शीर्ष औद्योगिक और व्यावसायिक केंद्र ग्वांगझू में कुछ क्षेत्रों में अस्थायी प्रतिबंध हटा दिए गए और संक्रमित लोगों के करीबी संपर्क में आए लोगों को पृथक केंद्रों के बजाय घरों में अलग रहने की अनुमति दी गई।

9- सरकारी मीडिया में आईं खबरों में कहा गया है कि बीजिंग, शिजियाझुआंग, ताइयुआन समेत कई अन्य शहरों में कोविड पाबंदियों में ढील देने की घोषणा की गई है। बीजिंग में बृहस्पतिवार को लॉकडाउन का मिला-जुला असर देखा गया। जबकि कुछ इमारतों को बंद कर दिया गया। इससे पहले लोगों ने शिकायत की थी कि जांच के लिए लंबी कतारों में खड़े होने से लोग संक्रमित हो रहे हैं। इसके बाद शहर के विभिन्न हिस्सों में लोगों ने शिकायत की कि कोविड जांच केंद्र बंद हैं। बीते तीन साल से कोविड-19 रोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे उप प्रधानमंत्री सुन चुनलान ने प्रतिबंधों में ढील देने का संकेत दिया।

10- सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के मुताबिक, बुधवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के विशेषज्ञों के साथ एक बैठक में सुन ने यह भी स्वीकार किया कि ओमीक्रॉन स्वरूप अधिक संक्रामक लेकिन कम घातक है। इस बीच, बीजिंग, शंघाई और कई अन्य शहरों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सरकार अगले मंगलवार को होने वाले चीन के पूर्व राष्ट्रपति जियांग के अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुटी है। जियान का बुधवार को निधन हो गया था।

# महाभियोग के खतरे का सामना कर रहे हैं दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा इस आरोपों को लेकर महाभियोग के खतरे का सामना कर रहे हैं कि उन्होंने अपने फार्म से करोड़ों डॉलर चोरी होने की बात छुपायी जिसे कथित तौर पर फर्नीचर में छुपाया गया था। रामफोसा (70) के खिलाफ 2020 में उनके निजी फार्म से चोरी से जुड़े मामले की जांच की जा रही है। एक स्वतंत्र समिति ने कहा कि उसे इस बात के पर्याप्त सबूत मिले हैं कि हो सकता है कि राष्ट्रपति रामफोसा ने भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की एक धारा का उल्लंघन किया हो और खुद को ''अपनी आधिकारिक जिम्मेदारियों और अपने निजी व्यवसाय के बीच टकराव की स्थिति में डालकर'' गंभीर कदाचार किया हो।

सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश सैंडिले नकोबो के नेतृत्व वाली समिति की रिपोर्ट बुधवार को नेशनल असेंबली के अध्यक्ष को सौंपी गई। इससे रामफोसा के खिलाफ संभावित महाभियोग की कार्रवाई का मार्ग प्रशस्त हो गया। इस साल की शुरुआत में यह घटना तब सुर्खियों में आयी थी जब चोरों नेकथित रूप से लाखों डॉलर की चोरी कर ली थी। कहा जाता है कि रामफोसा संबंधित अधिकारियों को इस घटना की जानकारी देने में विफल रहे और कई महीनों तक यह नहीं बताया कि धनराशि कहां से आयी। बाद में उन्होंने जांच समिति को बताया कि धनराशि जानवरों की बिक्री से प्राप्त हुई थी।

## अमेरिका ने मिसाइल कार्यक्रम को लेकर उत्तर कोरिया पर लगाए नए प्रतिबंध

**वाशिंगटन** अमेरिका ने उत्तर कोरिया में सत्तारूढ़ दल की केंद्रीय समिति के तीन सदस्यों पर देश के बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में शामिल रहने के आरोप में प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी वित्त विभाग ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। अमेरिकी वित्त विभाग ने कहा है कि इसने वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया के निदेशक तथा उप निदेशक क्रमशः जॉन इल हो तथा यू जिन को प्रतिबंधित कर दिया है, इसके अलावा केंद्रीय समिति के एक अन्य सदस्य किम सू गिल पर भी प्रतिबंध लगाया है।

वित्त विभाग ने कहा कि उनके बैंक खातों और अन्य आर्थिक संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया है तथा उनके साथ किसी प्रकार का लेन देन अथवा व्यवसाय करने से अमेरिकियों को प्रतिबंधित कर दिया गया है। दक्षिण कोरिया ने इस साल बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम की गति बढ़ाते हुये 60 से अधिक परीक्षण किये हैं, जिसके बाद अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर दबाब बढ़ गया है।

वित्त विभाग ने एक बयान जारी कर कहा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का उल्लंघन करते हुये उत्तर कोरिया के हथियारों को विकसित करने में तीन अधिकारियों ने ''महत्वपूर्ण भूमिका निभाई'' और 2017 के बाद बड़ी संख्या में बैलेस्टिक मिसाइलों के परीक्षण में व्यक्तिगत रूप से शामिल रहे। इन तीनों को इससे पहले यूरोपीय संघ ने भी दंडित किया था तथा उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ पूर्व में लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में भी इन तीनों को शामिल किया गया था।

# संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में होगा महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** विदेश मंत्री एस जयशंकर और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस दिसंबर महीने के लिए 15 देशों वाली सुरक्षा परिषद की भारत की अध्यक्षता के दौरान संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 14 दिसंबर को महात्मा गांधी की एक आवक्ष प्रतिमा का अनावरण करेंगे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक-एक महीने के लिए क्रमवार मिलने वाली अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भारत ने बृहस्पतिवार को संभाली। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के एक निर्वाचित सदस्य के रूप में अपने दो साल के कार्यकाल के दौरान अगस्त 2021 के बाद दूसरी बार परिषद का अध्यक्ष पद संभाल रहा है।

महात्मा गांधी की प्रतिमा संयुक्त राष्ट्र भवन के प्रतिष्ठित उत्तरी लॉन में स्थापित की जाएगी। ऐसा पहली बार होगा कि जब यहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महात्मा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। साधारण समारोह

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी)सदस्यों की उपस्थिति में होगा। इनमें पांच नए परिषद सदस्य - इक्वाडोर, जापान, माल्टा, मोजाम्बिक और स्विट्जरलैंड शामिल होंगे। महात्मा गांधी की यह प्रतिमा पद्मश्री से सम्मानित जानेमाने भारतीय मूर्तिकार राम सुतार द्वारा बनाई गई है जिन्होंने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को भी डिजाइन किया है।

गांधी की यह प्रतिमा भारत की ओर से एक उपहार होगी। परिषद में भारत का 2021-2022 का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। इसमें न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत की पहली महिला स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज,दिसंबर महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष पद संभाल रही हैं। भारत की अध्यक्षता और मासिक कार्य को लेकर यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कंबोज ने कहा कि भारत की अध्यक्षता के दौरान 14 और 15 दिसंबर को परिषद में जयशंकर की अध्यक्षता में सुधार बहुपक्षवाद और आतंकवाद रोध संबंधी दो कार्यक्रमों के अलावा दो अन्य कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

कंबोज ने कहा, ''पहला कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र में महात्मा गांधी के आगमन को चिह्नित करेगा।'' पांच नए सदस्यों का परिषद में दो साल का कार्यकाल 1 जनवरी, 2023 से शुरू होगा और ये देश भारत, आयरलैंड, केन्या, मैक्सिको और नॉर्वे की जगह लेंगे। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में कला की उल्लेखनीय कृतियों में जर्मनी द्वारा दान की गई बर्लिन की दीवार का एक हिस्सा, सोवियत मूर्तिकला लेट अस बीट स्वॉर्ड्स इनटू प्लॉशर , दक्षिण अफ्रीका द्वारा उपहार में दी गई नेल्सन मंडेला की आदमकद कांस्य प्रतिमा आदि शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रदर्शन के लिए भारत की ओर से एकमात्र अन्य उपहार सूर्य देवता की 11वीं सदी की काले पत्थर की एक सूर्य की मूर्ति है, जिसे 26 जुलाई, 1982 को उपहार स्वरूप दिया गया था।

# दक्षिण कोरिया ने सैन्य तैयारियों को लेकर उत्तर कोरिया पर नये प्रतिबंध लगाए

**सियोल (एजेंसी)।** उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु हथियारों और मिसाइल कार्यक्रम को आर्थिक सहयोग देने की अवैध गतिविधियों में संदिग्ध रूप से लिप्त सात कंपनियों और आठ व्यक्तियों पर दक्षिण कोरिया ने शुक्रवार को प्रतिबंध लगा दिया। दक्षिण कोरिया में बिना अनुमति के उत्तर कोरिया के साथ किसी भी तरह का कारोबार करने पर मनाही है। यह कदम काफी हद तक सांकेतिक है, क्योंकि दोनों विरोधी देशों के बीच बहुत कम वित्तीय सौदे होते हैं। बहरहाल, दक्षिण कोरिया के इस कदम पर उत्तर कोरिया असहज होकर प्रतिक्रिया दे सकता है। उत्तर कोरिया ने पिछले महीने दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक येओल और उनकी सरकार को 'मूर्ख' और 'अमेरिका की ओर से दी गई हड्डी चबाता जंगली कुत्ता' करार दिया था।

इसके बाद सियोल ने कहा था कि वह प्योंगयांग पर और अधिक एक पक्षीय प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है। अमेरिकी कोषागार विभाग की ओर से उत्तर कोरिया की सत्ताधारी वर्कर्स पार्टी के तीन सदस्यों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने के थोड़ी देर बाद ही दक्षिण कोरिया की ओर से भी प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया गया। उत्तर कोरिया के परमाणु और बैलिस्टिक हथियारों के विकास में मदद करने के लिए अमेरिका ने इन तीनों पर प्रतिबंध लगाया। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण कोरिया की ओर से बढ़ते हथियार के खतरों के मद्देनजर सियोल ने ये प्रतिबंध लगाए हैं। उत्तर कोरिया की ओर से पिछले महीने किये गये एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण को लेकर सियोल ने यह बात कही।

इस परीक्षण में यह दर्शाया गया था कि उत्तर कोरिया की मिसाइल अमेरिका की मुख्य धरती तक पहुंच सकती है। जिन आठ लोगों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं उनमें से छह लोग चार उत्तर कोरियाई बैंकों के अधिकारी हैं, एक चेन शिह हुआन नाम का ताइवानी नागरिक है और एक व्यक्ति क्रेक की सेयुंग सिंगापुर का निवासी है। प्रतिबंधित की गई सात कंपनियों में से चार उत्तर कोरिया की हैं, जबकि तीन सिंगापुर स्थित शिपिंग कंपनी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## बच्चों की खेती का मौलाना फॉर्मूला, मुसलमानों की तरह हिंदू भी इसे अपनाएं, लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र में कराएं

नई दिल्ली। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने एक सेक्सिस्ट, महिला विरोधी और प्रतिगामी बयान देते हुए कहा है कि हिंदुओं को अपनी लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र में करने के फॉर्मूले का पालन करना चाहिए। एआईयूडीएफ अध्यक्ष और सांसद बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि कर्नाटक वक्फ बोर्ड ने कहा है कि वह मुस्लिम लड़कियों के लिए 10 कॉलेज खोलेगा। मैं उनसे अपील करूंगा कि वे अपने द्वारा बनाए गए कॉलेजों में हिंदू लड़कियों को प्रवेश दें। हम सभी लड़कियों को शिक्षित करना चाहते हैं। एजेंसी से बात करते हुए बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि मुस्लिम लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र में हो जाती है, लेकिन हिंदू लड़कियों की शादी 40 साल की उम्र में नहीं होती है। वे 40 साल की उम्र तक अवैध पार्टनर रखते हैं। वे बच्चे नहीं पैदा करते और पैसे बचाते हैं। लेकिन 40 साल की उम्र के बाद इनकी शादी हो जाती है। फिर आप बच्चों को कैसे स्वीकार कर सकते हैं? उन्हें (हिंदुओं को) मुस्लिम फॉर्मूले को स्वीकार करना चाहिए और अपने बच्चों की शादी 20-22 साल की उम्र में कर देनी चाहिए। 18-20 साल की उम्र में लड़कियों की शादी करा दो और फिर देखो कितने बच्चे पैदा होते हैं। जब आप उपजाऊ जमीन में बीज बोयेंगे तभी उसका फल आपको मिल सकता है। उसके बाद, हर जगह विकास और विकास देखा जा सकता है। वहीं पूरे मामले पर मौलाना साजिद रशीदी ने बदरुद्दीन अजमल की टिप्पणी का समर्थन किया। मौलाना ने कहा, 18 साल की उम्र होने के बाद मुसलमान उनकी (लड़कियों की) शादी करवाते हैं। हिंदुओं में रिश्तों का चलन शुरू हो गया है। इसमें कोई शक नहीं है। हिंदुओं में तलाक का अनुपात ज्यादा है।

## लातवियाई महिला के रेप-हत्या का मामला : दोनों आरोपी दोषी करार, केरल से 2018 में लापता हो गई थी विदेशी पर्यटक



नई दिल्ली। केरल के तिरुवनंतपुरम की एक अदालत ने दो लोगों को मार्च 2018 में कोवलम में एक 33 वर्षीय लातवियाई पर्यटक के साथ बलात्कार करने और उसकी हत्या करने का दोषी पाया। इस मामले में 5 दिसंबर को सजा सुनाई जाएगी। महिला आयुर्वेद उपचार के लिए केरल में थी जब उसके लापता होने की सूचना मिली। एक महीने बाद उसकी क्षत-विक्षत लाश कोवलम से बरामद की गई थी। शव मिलने के चार महीने बाद उमेश और कुमार को गिरफ्तार किया गया था। अभियोजन पक्ष ने कहा कि दोनों ने पर्यटक के साथ दोस्ताना व्यवहार किया और जब वह भांग पीकर बेहोश हो गई तो उसका यौन उत्पीड़न किया। जब उसे होश आया, तो वह गुस्से में आ गई और उसने पुलिस से संपर्क करने की धमकी दी, जिससे दोनों ने सुनसान जगह पर उसकी शॉल से उसका गला घोंट दिया। उमेश और कुमार ने हत्या को आत्महत्या बताने की कोशिश की और शव को पेड़ से लटकाने की कोशिश की। लेकिन उसकी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि पर्यटक को नशीला पदार्थ दिया गया था, उसके साथ बार-बार बलात्कार किया गया और उसे मार दिया गया। पुलिस ने उमेश और कुमार के खिलाफ अपहरण, बलात्कार, नशा और हत्या का मामला दर्ज किया, जबकि 30 में से दो गवाह मुकदमे के दौरान मुकर गए। कोवलम एक प्रमुख पर्यटन स्थल है और बलात्कार और हत्या ने आक्रोश भड़का दिया। पर्यटक के शरीर का अंतिम संस्कार किया गया और उसकी राख को लातविया ले जाया गया। केरल उच्च न्यायालय ने पिछले साल तिरुवनंतपुरम की सत्र अदालत को निर्देश दिया था कि पर्यटक की बहन द्वारा शीघ्र सुनवाई की मांग के बाद मुकदमे की सुनवाई तेज की जाए और फैसला सुनाया जाए।

## श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर के बाहर दर्शाया गया जी-20 का लोगो, श्रद्धालुओं ने सराहा

श्री नगर। भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलने पर देशभर में फैले यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों समेत केंद्र सरकार की ओर से संरक्षित सौ स्मारकों को सप्ताह भर के लिए रोशनी से जगमग किया गया है और इन पर प्रभावशाली समूह जी-20 के लोगो को उकेरा गया है। दिल्ली में हुमायूं का मकबरा और पुराना किला से लेकर गुजरात में मोढेरा सूर्य मंदिर और ओडिशा में कोणार्क सूर्य मंदिर से लेकर बिहार में शेरशाह सूरी के मकबरे तक ऐसे 100 स्मारकों में रोशनी की गयी है। कश्मीर की बात करें तो यहां प्राचीन और ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर पर जब जी-20 लोगो को उकेरा गया तो वह देखते ही बन रहा था। श्रीनगर में ज़बरवन रेंज पर शंकराचार्य पहाड़ी के ऊपर स्थित शंकराचार्य मंदिर जिसे ज्येष्ठेश्वर मंदिर भी कहा जाता है, यहां आने वाले आगंतुक इस बात को लेकर बहुत उत्साहित दिखे कि इस मंदिर को भी मोदीजी ने जी-20 लोगो को प्रदर्शित करने के लिए चुना है। श्रीनगर में प्रभासाक्षी संवाददाता से बातचीत करते हुए श्रद्धालुओं ने कहा कि सरकार के इस फैसले से यहां आने वाले पर्यटक बड़ी संख्या में इस प्राचीन मंदिर की ओर आकर्षित होंगे। जी-20 लोगो दर्शाने से पहले शंकराचार्य मंदिर की खूब साज-सज्जा भी की गयी है जोकि सभी को भा रही है। यहां पर लोग सेल्फी लेते भी देखे जा रहे हैं।

## पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास 5 किलो हेरोइन और ड्रोन बरामद

चंडीगढ़। पंजाब के तरनतारन जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक खेत से पांच किलोग्राम हेरोइन के साथ एक ड्रोन बरामद किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पंजाब पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के एक संयुक्त अभियान में छह रोटर वाला एक मानव रहित हेक्साकॉप्टर बरामद किया गया। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने ट्वीट किया, ''बीएसएफ के साथ एक संयुक्त तलाशी अभियान में तरनतारन पुलिस ने आधुनिक तकनीक से लैस एक हेक्साकॉप्टर ड्रोन और भारत-पाक सीमा के पास खेतों से 5 किलोग्राम हेरोइन के पैकेट बरामद किए हैं।'' हेरोइन ड्रोन से ही गिराई गई थी। 28 नवंबर को बीएसएफ ने अमृतसर और तरनतारन जिलों में भारत-पाकिस्तान सीमा पर दो पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया था। दो हेक्साकॉप्टर में करीब 10 किलो हेरोइन थी, जिसे बीएसएफ जवानों ने बरामद किया था।

## जेएनयू की दीवार पर नारे लिखने वाले ने देश की संस्कृति पर किया प्रहार, अनिल विज बोले- ऐसी सोच को कुचल देना चाहिए

नई दिल्ली। जेएनयू कैंपस की इमारतों पर कुछ विवादास्पद नारे लिखे जाने का मामला सामने आया है। इनकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। जेएनयू के कुछ छात्रों के अनुसार कुछ जाति समूह के खिलाफ नारे को लिखा गया। इसके अलावा दावा किया गया कि स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज की एक इमारत में तोड़फोड़ भी की गई। हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार जवाहरलाल नेहरू परिसर के परिसर की कई दीवारों पर ब्राह्मण विरोधी नारे लिखे हुए थे, जिसमें परिसर के ब्राह्मणों को धमकी दी गई थी। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने एक बयान जारी कर इस घटना की निंदा की और परिसर को विकृत करने के लिए 'अज्ञात तत्वों' को जिम्मेदार ठहराया। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। नारे स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज-द्वितीय भवन की दीवारों पर पाए गए। नलिन कुमार महापात्र, राज यादव, प्रवेश कुमार और वंदना मिश्रा सहित कई ब्राह्मण प्रोफेसरों के कक्षों की दीवार पर 'गो बैक टू शाखा' लिखा हुआ था। जेएनयू में दीवार पर विवादित और आपत्तिजनक टिप्पणी लिखने का मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील विनीत जिंदल ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। अनिल विज ने ट्वीट करते हुए लिखा कि जेएनयू की दीवारों पर ब्राह्मण और बनिया विरोधी नारे बहुत ही घातक है। जे एन यू की दीवारों पर ब्राह्मण और बनिया विरोधी नारे बहुत ही घातक है क्योंकि ब्राह्मण हमारे देश के धर्म और संस्कृति को जिंदा रखे हैं और बनिया देश के व्यापार में एहम भूमिका अदा कर रहा है नारे लिखने वाले ने देश की संस्कृति और व्यापार पर प्रहार किया है ऐसी सोच को कुचल देना चाहिए।

# इतिहास में तीसरी बार महिला जजों की बेंच करेगी सुनवाई, समान स्वास्थ्य सेवा पर मांगा रिप्लाई, इस हफ्ते के कुछ खास जजमेंट/ऑॅर्डर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट से लेकर लोअर कोर्ट तक इस सप्ताह यानी 28 नवंबर से 02 दिसंबर 2022 तक क्या कुछ हुआ। कोर्ट के कुछ खास ऑर्डर/जजमेंट और टिप्पणियों का विकली राउंड अप आपके सामने लेकर आए हैं। कुल मिलाकर कहें तो आपको इस सप्ताह होने वाले भारत के विभिन्न न्यायालयों की मुख्य खबरों के बारे में बताएंगे।

**महिला जजों की बेंच शादी से जुड़े विवाद की करेगी सुनवाई:** सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने शादी से जुड़े विवाद और जमानत के मामलों से जुड़े ट्रांसफर वाली याचिकाओं की सुनवाई के लिए महिला जजों की एक बेंच बनाई। इसमें शिकार जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में यह तीसरा मौका है, जब पूरी तरह महिला जजों की बेंच बनाई गई है। दो जजों वाली बेंच सुप्रीम कोर्ट की अदालत संख्या-11 में बैठ रही है। बेंच के सामने आए 32 मामलों में से शादी से जुड़े विवाद और जमानत वाली 10-10 ट्रांसफर वाली याचिकाएं हैं। ट्रांसफर याचिका ऐसी याचिका होती है, जिनमें किसी मामले को राज्य एजेंसियों से केंद्रीय एजेंसी या किसी हाई कोर्ट ने दूसरे हाई कोर्ट या हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किये जाने का अनुरोध किया है।

**कानून मंत्री के बयान पर सुप्रीम कोर्ट:** सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति के लिए दोवारा सिफारिश भेजे जाने के बाद केंद्र सरकार की ओर से की गई देरी पर नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने कहा कि यह नियुक्ति के तरीके को ही विफल कर देता है। सुप्रीम कोर्ट ने कानून मंत्री किरण रिजिजू के पिछले दिनों दिए बयान पर भी निराशा जताई और कहा कि उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए था। कानून मंत्री ने हाल में कलीजियम सिस्टम की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि ऐसा मत कहिए कि सरकार फाइलों पर बैठ जाती है। ऐसा है तो सरकार को फाइल ही मत भेजिए। कलीजियम सरकार को यह नहीं कह सकता है कि उसके भेजे भेजे गए नामों को तुरंत मजूरी दी जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसा लगता है, सरकार जजों की नियुक्ति के लिए बनाए गए एनजेएसी को मंजूरी न मिलने से नाराज है। लेकिन ये जजों की नियुक्ति के मौजूदा कॉलेजियम सिस्टम को न मानने का कारण नहीं हो सकता।

**समान स्वास्थ्य सेवा:** देश में एक समान स्वास्थ्य सेवा मानदंड लागू करने की मांग उठी है। इसके लिए दिशा निर्देश जारी करने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आज केंद्र-राज्यों से जवाब मांगा। याचिका में शीर्ष कोर्ट से कहा गया है कि वह संविधान व क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट 2010 के अनुसार देश के नागरिकों को एक समान स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के दिशा निर्देश जारी करे। जस्टिस बीआर गवई व जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने याचिका पर जवाब देने के लिए केंद्र व राज्य सरकारों को चार सप्ताह का वक्त दिया है।

**जबरन धर्मांतरण:** केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा कि जवरन धर्म परिवर्तन गंभीर विषय है। धर्म की स्वतंत्रता के को किसी खास धर्म में परिवर्तन करने का मौलिक अधिकार शामिल नहीं है। मध्यप्रदेश, उड़ीसा, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखंड और हरियाणा ने पहले ही जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ कानून बना रखे हैं। केंद्र ने कहा कि जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

**जज के अश्लील वीडियो के प्रसार पर रोक:** दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र और मीडिया प्लेटफॉर्म को निचली अदालत के एक जज से जुड़े कामुक वीडियो के सर्कुलेशन पर रोक लगाने का आदेश दिया है। स्द्ब1द्गस्ड्डु2 की रिपोर्ट के अनुसार न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने 'अपमानजनक वीडियो को साझा करने, वितरण करने, फॉरवर्ड करने या पोस्ट करने पर रोक लगा दी है। तत्काल उल्लेख किए जाने के बाद मामले की सुनवाई की गई। तब तक सोशल मीडिया पर एक वीडियो कई बार शेयर किया जा चुका था, जिसमें एक जज को एक महिला के साथ दिखाया गया था, जिसे उसकी सहयोगी के रूप में पहचाना गया था। यशवंत शर्मा की बेंच ने आदेश में कहा कि वादी को इससे भारी नुकसान की आशंका को देखते हुए मामले में तत्काल सुनवाई की गई।

# कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बड़ा दावा, गुजरात में बहुमत के साथ हमारी पार्टी बनाएगी सरकार

**नई दिल्ली। (एजेंसी)।** गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां लगातार जारी है। पहले चरण के लिए वोटिंग खत्म हो गई है। दूसरे चरण के लिए 5 तारीख को वोटिंग होगी। गुजरात में भाजपा और कांग्रेस के बीच में मुख्य मुकाबला होता रहा है। हालांकि, आम आदमी पार्टी की वजह से इस बार चुनाव काफी दिलचस्प माना जा रहा है। इन सब के बीच कांग्रेस में बड़ा दावा कर दिया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने साफ तौर पर कहा है कि गुजरात में उनकी पार्टी सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बहुमत हासिल करेगी और सरकार बनाएगी। आपको बता दें कि भले ही गुजरात में भाजपा और आम आदमी पार्टी की प्रचार काफी सुनाई दे रही है। लेकिन कांग्रेस कहीं ना कहीं जमीन पर काम करती हुई दिखाई दे रही है।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी रैलियों में कहा था कि कांग्रेस गांव में घर-घर जाकर प्रचार कर रही है, ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। वैसे देखा जाए तो आम आदमी पार्टी से चुनौती मिलने के बावजूद भी भाजपा कांग्रेस पर ही जबरदस्त तरीके से हमलावर है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस पर बांटने की राजनीति करने का आरोप लगा रहे हैं। लेकिन यह बात भी सत्य है कि कांग्रेस इस बार गुजरात में प्रचार में थोड़ी कमजोर नजर आ रही है। इसका कारण यह भी है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने उस तरीके से गुजरात में प्रचार नहीं किया है। अब तक गुजरात में राहुल गांधी ने सिर्फ दो रैलियों को संबोधित किया है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुजरात में लगातार रैलियों को संबोधित किया है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए रावण जैसे शब्द का भी इस्तेमाल किया। जिसके बाद से भाजपा उनके खिलाफ जबरदस्त तरीके से हमलावर हो गई है। भाजपा ने उसे चुनावी मुद्दा भी बना दिया है और इससे गुजरात के बेटे का अपमान बता रही है। भाजपा दावा कर रही है कि खडके के बयान पर जनता जवाब देगी। गुजरात चुनाव के लिए कांग्रेस ने अशोक गहलोत को अपना पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। उन्हीं के नेतृत्व में गुजरात में कांग्रेस लगातार रणनीति के तहत चुनाव लड़ रही है।

## सलाहकार समिति की बैठक के बाद बोले राजनाथ, नौसेना और तटरक्षक बल की मज़बूती तभी संभव, जब इसे हाईटेक जहाज और हथियारों से करेंगे लैस

**मुंबई। (एजेंसी)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुंबई में रक्षा शिपयार्ड पर रक्षा मंत्रालय के लिए सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जिस तरह से हमारे डिफेंस शिपयार्ड ने विगत वर्षों में काम किया है, वह सराहनीय है। हमारे डिफेंस शिपयार्ड ने न केवल समय पर डिलीवरी का ख्याल रखा है, बल्कि ये सभी अपने उत्पादों की गुणवत्ता में भी अग्रणी रहे हैं। हमारी समुद्री सीमाओं की रक्षा के लिए एक सशक्त नौसेना और तटरक्षक बल,आज की महत्त्वपूर्ण जरूरत है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि इन शिपयार्ड में GeM के माध्यम से वसूली में वृद्धि हो रही है जिसमें न सिर्फ घरेलू उत्पादों को प्रोत्साहन मिल रहा है, बल्कि वसूली में ज्यादा पारदर्शिता आई है। सभी शिपयार्ड के लिए MoU 2022-23 के अंतर्गत GeM के माध्यम से वसूली बढ़ाने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त इन शिपयार्ड के लिए कुल वसूली का 25 प्रतिशत MSMEs से करने का लक्ष्य रखा गया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि नौसेना और तटरक्षक बल की मज़बूती तभी संभव है, जब हम उन्हें अत्याधुनिक जहाज एवं हथियारों से सुसज्जित करेंगे। इस दिशा में हमारे शिपयार्ड एक अहम भूमिका निभा रहे।

## खत्म हुआ दिल्ली में चुनावी प्रचार का शोर, 4 दिसंबर को वोटिंग, भाजपा और 'आप' में मुख्य मुकाबला

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए आज प्रचार थम गया। दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए 4 दिसंबर को वोटिंग होनी है। परिसीमन के बाद दिल्ली में 250 वार्ड हैं। इन्हीं 250 वार्डों के लिए 4 दिसंबर को वोटिंग होगी। कुल मिलाकर देखें तो दिल्ली में मुख्य मुकाबला भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच में है। दोनों ओर से प्रचार में पूरी ताकत झोंकी गई। भाजपा के कई राज्यों के मुख्यमंत्री कई केंद्रीय मंत्री चुनावी प्रचार में अपनी ताकत दिखाई। तो वहीं अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया भी लगातार पार्टी के लिए प्रचार करते रहे। प्रचार में दोनों दलों की ओर से वार पलटवार का दौर भी देखने को मिला। हालांकि, कांग्रेस ने भी एमसीडी चुनाव में जबरदस्त तरीके से अपनी ताकत होती है। दिल्ली नगर निगम पर पिछले 15 सालों से भाजपा का कब्जा है। यही कारण है कि पार्टी ने एक बार फिर से दिल्ली में नगर निगम पर अपना कब्जा जमाने के लिए प्रचार में पूरी ताकत दिखाई है। पार्टी की ओर से राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान, पुष्कर सिंह धामी, पीयूष गोयल, अनुराग ठाकुर जैसे नेताओं ने प्रचार किया है। दिल्ली नगर निगम के चुनावी नतीजे 7 दिसंबर को आएंगे। आज अरविंद केजरीवाल ने व्यापारियों से बातचीत करते हुए साफ तौर पर कहा कि एमसीडी के अंदर तीन से चार महीनों बाद भ्रष्टाचार को पूरी तरीके से खत्म कर देंगे। उन्होंने भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। दूसरी ओर भाजपा की केंद्रीय मंत्री और दिल्ली से ही सांसद मीनाक्षी लेखी ने कहा कि जो लोग अपने आप को इमानदारी का प्रमाण देते हैं और दूसरों को बेईमान बताते हैं वह कितने बेईमान है, यह जनता को पता होना चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि यह तो चोरी और सीनाजोरी वाली बात है, चोरी करके जेल में बैठे हैं और आराम फरमा रहे। नगर निगम चुनाव से पहले अलग-अलग वार्डों में पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करते हुये भाजपा नेताओं ने कहा कि नगर निकाय में अगर भाजपा सत्ता में आती है तो उनकी डबल इंजन सरकार राजधानी का सर्वांगीण विकास सुनिश्चत करेगी। आम आदमी पार्टी ने नगर निगम में भाजपा के 15 साल के कार्यकाल के दौरान कचरा कुप्रबंधन को लेकर पार्टी पर निशाना साधते हुये कहा कि भगवा पार्टी ने दिल्ली को कूड़े के तीन पहाड़ दिए हैं। आप ने यह भी आरोप लगाया है कि भाजपा के पास नगर निगम के 15 साल के कार्यकाल के दौरान दिखाने के लिये कुछ भी नहीं है, इसलिये यह पार्टी के खिलाफ झूठे आरोप लगा रही है।

## बिहार में नीतीश कुमार की सभा में हंगामा, अभ्यार्थियों ने लगाएं मुख्यमंत्री शर्म करो, डूब मरो के नारे

**पटना (एजेंसी)।** बिहार में उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां लगातार बढ़ती जा रही है। बिहार के कुढ़नी सीट पर उपचुनाव होने हैं। इसको लेकर भाजपा और महागठबंधन उम्मीदवार आमने-सामने है। इसी कड़ी में आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुढ़नी में चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी सभा में हंगामा हो गया। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सभा में सीटीईटी और बीटीईटी के अभ्यर्थियों ने जमकर नारेबाजी की। उन्होंने मुख्यमंत्री शर्म करो, डूब मरो के साथ-साथ हाय हाय के भी नारे लगाती है। इस दौरान एक-दूसरे पर जमकर कुर्सियां भी चली। नारे को सुनने के बाद नीतीश कुमार के समर्थकों की ओर से अभ्यार्थियों के खिलाफ भी कुर्सियां चलाई गई और उन्हें वहां से भगा दिया गया।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब

वायरल हो रहा है जिसमें लोग कुर्सियां फेंकते दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल इस घटना को लेकर कोई बयान जारी नहीं हुआ है और ना ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस हंगामे पर कुछ बोला है। लेकिन जिस तरीके से इसका वीडियो सामने आया है, उसमें साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि सभा में जमकर बवाल किया गया है। वही राजद की ओर से एक वीडियो जारी कर कहा गया है कि कुढ़नी उपचुनाव में माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव साझा जनसभा करने के लिए पहुंचे।

इससे पहले कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा था कि लालू जी यहां रहना चाहते थे, लेकिन वह इस समय सिंगापुर में हैं और पांच दिसंबर को गुर्दा प्रतिरोपण के लिए उनका ऑपरेशन होगा। हालांकि, उन्होंने मुझे आप सभी को संदेश देने को कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि इस सीट पर राजद, बिहार सरकार का नेतृत्व कर रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी और सहयोगी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) का समर्थन कर रहा है। वहीं, भाजपा ने भी इस सीट पर इपनी पूरी ताकत लगा दी है।

## चुनाव के समय भाजपा हमेशा समान नागरिक संहिता का मुद्दा उठाती है- जयराम रमेश

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** सुमरा खेड़ी (मप्र)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर चुनाव के समय समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा कोई इवेंट (कार्यक्रम) नहीं बल्कि एक आंदोलन है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा के आगर मालवा जिले के सुमरा खेड़ी में पहुंचने के बाद रमेश ने पत्रकारों से कहा, ''चुनाव होने पर भाजपा हमेशा समान नागरिक संहिता का मुद्दा उठाती है। इस बार गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव हो रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''मैंने संसद में भी उल्लेख किया है कि न्यायमूर्ति बी एस चौहान की अध्यक्षता वाले विधि आयोग ने 31 अगस्त 2018 को अपनी 185



पन्नों की रिपोर्ट में इस बात मुद्दे पर कहा है कि समान नागरिक संहिता न तो वांछनीय है और न ही आवश्यक है.... जब भी चुनाव होते हैं तो भाजपा हमेशा इसे उठाती है।'' मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान सरकार ने बृहस्पतिवार को प्रदेश में यूसीसी के कार्यान्वयन के लिए एक समिति बनाने की घोषणा की है। गुजरात और हिमाचल प्रदेश सहित कुछ अन्य भाजपा शासित राज्यों ने हाल ही में इसी तरह की घोषणा की है। भाजपा द्वारा इस पदयात्रा को एक इवेंट करार दिये जाने के सवाल पर रमेश ने कहा, ''भारत जोड़ो यात्रा एक आंदोलन है न कि एक इवेंट।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''भाजपा इवेंट को मैनेज करने में माहिर है। भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी ने भी मोदी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) के बारे में कहा था कि वह दुनिया के शानदार इवेंट मैनेजर हैं।'' रमेश ने कहा, ''एक इवेंट इतने लंबे समय तक कभी नहीं चलता है। भारत जोड़ो यात्रा 140 दिनों तक चलेगी और कोई भी इवेंट इतने लंबे समय तक नहीं चल सकता है।'' अभिनेत्री स्वरा भास्कर के यात्रा में शामिल होने पर भाजपा की आलोचना पर उन्होंने कहा कि बॉलीवुड की हस्ती ही नहीं बल्कि टेलीविजन अभिनेता, आरएसएस नेता, पूर्व सैन्यकर्मी जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लोग यात्रा में अपनी इच्छा से शामिल हो रहे हैं।

# पुराने भवन में ही होगा संसद का शीतकालीन सत्र, 16 नए विधेयकों को पेश करने की योजना बना रही सरकार

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।** संसद का शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से शुरू हो रहा है। मिल रही जानकारी के मुताबिक संसद का शीतकालीन सत्र मौजूदा भवन में ही आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही है। नए संसद भवन का निर्माण कार्य पूरा होने की नवंबर की समय सीमा समाप्त हो चुकी है। हालांकि, अभी भी इस परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल खबर यह है कि सरकार की ओर से शीतकालीन सत्र में 16 नए विधेयक पेश करने की तैयारी की जा रही है। इन 16 विधेयकों में बहु राज्य सहकारी समितियों में जवाबदेही बढ़ाने और चुनावी प्रक्रिया में सुधार से संबंधित विधेयक भी शामिल है। इसके अलावा राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग विधेयक भी पेश किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

लोकसभा की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार, शीतकालीन सत्र के दौरान छावनी विधेयक, 2022 एक और मसौदा कानून है जिसे पेश किए जाने की संभावना है। इस विधेयक के उद्देश्यों में छावनियों में ''जीवन की सुगमता'' को बढ़ाने का प्रस्ताव भी शामिल है। इस दौरान पेश किए जाने वाले विधेयकों की सूची में पुराना अनुदान (विनियमन) विधेयक,वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक, तटीय जलकृषि प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक आदि भी शामिल हैं। संसद का मौजूदा सत्र पुराने ही भवन में चलेगा। हालांकि बताया जा रहा है कि कोविड महामारी की वजह के साथ-साथ रूस-यूक्रेन युद्ध और कई अन्य कारणों की वजह से संसद भवन के निर्माण कार्य में देरी हुई है। हालांकि अभी भी निर्माण कार्य काफी तेजी से किया जा रहा है।

खुद केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 4 नवंबर को अपने बयान में कहा था कि नए संसद भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। आपको बता दें कि नया संसद भवन सेंट्रल विस्टा परियोजना का हिस्सा है जिसकी नींव नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2020 में रखी थी। दूसरी ओर विपक्ष ने संसद को लेकर रणनीति बनाने की शुरुआत कर दी है। शीतकालीन सत्र को लेकर कांग्रेस ने वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक बुलाई है। सूत्रों ने बताया कि इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, निचले सदन में मुख्य सचेतक के. सुरेश, राज्यसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक जयराम रमेश और कुछ अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। यह बैठक कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के आवास पर शनिवार शाम को होगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

# यूपी के मदरसों में हाईटेक पढ़ाई पर मंथन

## अरबी-फारसी, उर्दू के अलावा साइंस, कंप्यूटर और अंग्रेजी की पढ़ाई पर चर्चा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड में हाईटेक पढ़ाई को लेकर मंथन शुरू हो गया है। मदरसा बोर्ड के चेयरमैन के नेतृत्व में लखनऊ में एक बैठक हुई। इस बैठक में मुख्य रूप से अरबी, फारसी, उर्दू के अलावा अन्य कौन-से विषय मदरसों में पढ़ाए जाएं, इसको लेकर सुझाव मांगे गए। मदरसा बोर्ड 2016 के नियमों में संशोधन करने को लेकर यह बैठक बुलाई गई थी। बीते दिनों यूपी सरकार ने प्रदेश भर में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों का सर्वे कराया। सर्वे में करीब 8491 मदरसे गैर मान्यता प्राप्त पाए गए, जिनकी रिपोर्ट शासन को सौंप दी गई है। यूपी मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद जावेद ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच

है कि मुसलमान के बच्चों के एक हाथ में कुरान और दूसरे में लैपटॉप हो। इसके तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद लगातार मदरसों के बच्चों को दीनी तालीम के साथ दुनियावी तालीम को बढ़ावा दे रहा है। इसी के चलते मदरसा विनियमावली 2016 में संशोधन की जरूरत है। दिसंबर महीने में ही 2 बैठकें और होंगी। इसके बाद विनियमावली 2016 के संशोधन को लेकर फाइनल प्रस्ताव पास होगा और उसको शासन को भेजा जाएगा। मदरसा सर्वे का काम पूरा हो गया। सर्वे पूरा होने के बाद आगे सरकार क्या फैसला लेगी? इस सवाल पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि सभी जिलों से मदरसों की सर्वे रिपोर्ट शासन को मिल गई है। अब जल्द ही शासन के अधिकारियों के साथ बैठक कर इसकी विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इसमें यह भी देखा जाएगा कि इन मदरसों में तय मानकों पर काम हो रहा है या नहीं। वहीं, मदरसा बोर्ड के चेयरमैन डा. इफ्तिखार अहमद जावेद ने कहा कि दीनी तालीम के साथ दुनियावी तालीम देना बहुत जरूरी है। मदरसे कमजोर घरों के बच्चों को शिक्षित करने का काम कर रहे हैं। मदरसा बोर्ड किसी भी मदरसे को अवैध और फर्जी बिल्कुल नहीं मान रहा है। डा. इफ्तिखार अहमद जावेद ने कहा कि बोर्ड ने पिछले सात वर्षों में किसी भी मदरसे को मान्यता नहीं दी। सर्वे के बाद इन्हें भी मान्यता के लिए प्रेरित किया जाएगा। यह सर्वे असली नकली का नहीं बल्कि शिक्षा और शिक्षा के केंद्र की उनकी संख्या, उनकी व्यवस्था आदि की सही जानकारी प्राप्त करना है।

## जिलाधिकारी ने किया पीडब्लूडी निर्माण खंड कार्यालय का औचक निरीक्षण

संवाददाता

**देवरिया।** जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने आज प्रातः 10:20 पर लोक निर्माण विभाग के निर्माण खंड कार्यालय का औचक निरीक्षण किया जिसमें अधिशासी अभियंता संजीव कुमार सिंह समेत 4 सहायक अभियंता एवं दो कर्मचारी अनुपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने अनुपस्थित अधिकारियों के एक दिन के वेतन कटौती के साथ स्पष्टीकरण तलब किया है। जिलाधिकारी आज पूर्वाह्न प्रातः 10:15 पर लोक निर्माण विभाग (निर्माण खंड) कार्यालय पहुंचे। सर्वप्रथम उन्होंने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया, जिसमें अधिशासी अभियंता संजीव कुमार सिंह, सहायक अभियंता मनीष कुमार, सहायक अभियंता अजय कुमार सिंह सहायक अभियंता राकेश कुमार शुक्ला एवं सहायक अभियंता अतुल कुमार सिंह अनुपस्थित मिले। इनमें से अधिशासी अभियंता संजीव कुमार सिंह एवं सहायक अभियंता राकेश कुमार शुक्ला दिनांक 1 दिसंबर को भी अनुपस्थित थे। इनके अतिरिक्त महेंद्र यादव तथा मोहन वर्मा भी समय से कार्यालय नहीं पहुंचे थे। जिलाधिकारी ने इस पर गहरी नाराजगी व्यक्त की और इन सभी के एक दिन की वेतन कटौती के साथ स्पष्टीकरण तलब किया है। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक अधिकारी समय से कार्यालय आकर 10:00 से 11:00 अपने कार्यालय में बैठे और आम जनता की समस्याओं का समाधान करें। विगत कुछ दिनों से पीडब्लूडी निर्माण खंड के कार्मिकों के समय से न आने की सूचना मिल रही थी। इसी क्रम में औचक निरीक्षण किया गया है। समय से कार्यालय नहीं आने वाले कार्मिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## डांस को मना करने पर मारपीट, आठ पर केस दर्ज

संवाददाता

**शाहबाद।** गुरुवार की देर रात नगर में शादी के कार्यक्रम में हो रहे डांस को मना करने पर हुए विवाद के बाद पथराव पर पुलिस का एक्शन सामने आया है। पुलिस मौके से दोनो समुदायों के दो लोगो को उठाकर थाने ले आई, जिसके बाद दोनो पक्षों के कुल आठ लोगो के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है। दोनो समुदाय के और से दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस दोनो पक्षों के कुल आठ लोगो के विरुद्ध धारा 323, 504, 506 के तहत केस दर्ज कर दो लोगो का चालान कर देती है।

## घरेलू विवाद में भतीजे ने चाचा पर कुल्हाड़ी से किया हमला

संवाददाता

**शाहबाद।** घरेलू विवाद के चलते चंडीगढ से काम करके घर लौटे भतीजे ने चाचा पर कुल्हाड़ी हमला कर दिया। किसी तरह चाचा ने जान बचाकर डायल 112 को सूचना दी सूचना पर पहुंची डायल112 पुलिस ने युवक को पकड़कर कोतवाली पहुंचाया। मिली जानकारी के अनुसार शाहबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गुलाबअली निवासी मुकेश का भतीजा बंटी चंडीगढ़ में काम करता हैं किसी बात को लेकर काफी समय से घरेलू विवाद चल रहा हैं। चंडीगढ़ से घर आए बंटी और उसके चाचा मुकेश में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, कहा सुनी इतनी बढ़ गई कि बंटी अपने घर से कुल्हाड़ी निकाल लाया और कुल्हाड़ी लेकर अपने चाचा मुकेश की तरफ भागा किसी तरह मुकेश ने अपनी जान बचाकर डायल 112 को सूचना दे दी। सूचना पर पहुंची डायल 112 युवक को पकड़कर कोतवाली ले आई।

## बनकटा मिश्र में वत्स ऋषि मंदिर निर्माण के लिए किया गया भूमि पूजन

संवाददाता

**देवरिया,भाटपार** रानी। तहसील क्षेत्र के ग्राम बनकटा मिश्र में वत्स ऋषि के मूर्ति की स्थापना करने के लिए आज रैनाथ ब्रह्म स्थान परिसर में भूमि पूजन ग्रामीणों द्वारा किया गया। आपको बताते चलें कि वत्स ऋषि के मूर्ति का स्थापना ग्राम बनकटा मिश्र में रैनाथ ब्रह्म स्थान के पास करना सुनिश्चित किया गया है ।जिसके सापेक्ष आज रैनाथ ब्रह्म परिसर में भूमि पूजन किया गया ।मुख्य रूप से चबूतरा व गुंबज बनाने का वित्तीय खर्च ज्ञान चंद्र मिश्रा व नितिन मिश्रा तथा दिनेश चंद्र मिश्रा द्वारा किया जा रहा है। वत्स ऋषि की मूर्ति पूर्व प्राचार्य डॉ रामानुज मिश्रा, मथुरा पीजी कॉलेज रसड़ा बलिया के द्वारा वित्तीय वहन कर परिसर में स्थापित किया जाना है। डॉ मिश्र ने बताया कि वत्स गोत्र व वत्स वंश का प्रवर्तक भृगुवंशी वत्स ऋषि थे। भारत के प्राचीन कालीन 16 जनपदों में से एक जनपद का नाम वत्स था। वत्स साम्राज्य गंगा- यमुना के संगम पर इलाहाबाद के दक्षिण -पूर्व दिशा में बसा था ।जिसकी राजधानी कौशांबी थी। पाली भाषा में वत्स को वंश और तत्सामयिक अर्धमगधी भाषा में वच्छ कहा जाता है। भूमि पूजन के दौरान गिरीश चंद्र मिश्र ,नवनीत मिश्रा ,अवनीश मिश्रा, सुमित मिश्रा, कमलेश मिश्रा ,सुधीर मिश्रा ,नितिन मिश्रा, सुशील कुमार मिश्रा, आनंद कुमार मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

## जिलाधिकारी ने एनएचएआई एवं नगर निगम के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया

संवाददाता

**कानपुर।** जिलाधिकारी विशाख जी0 द्वारा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्रधिकरण के रामादेवी से नौबस्ता जाने वाले मार्ग को यातायात हेतु और सुगम कराने के लिए अपर जिलाधिकारी( भू0अ0), परियोजना निदेशक, एनएचएआई एवं नगर निगम के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में रामादेवी से नौबस्ता जाने वाले मार्ग के दोनो तरफ ड्रेनेज व्यवस्था को रिडिजाइन कराने तथा निर्मित आईलैण्ड्स का सौन्दर्यीकरण एनएचएआई एवं सीएसआर के माध्यम से कराये जाने के निर्देश दिए गए।

परियोजना निदेशक, एनएचएआई को निर्देशित किया गया कि ड्रेनेज व्यवस्था को रिडिजाइन के संबंध में आगणन तैयार कर अपने मुख्यालय प्रेषित किया जाए तथा शेष सौन्दर्यीकरण के कार्य का आगणन स्मार्ट सिटी के माध्यम से तैयार कर कराये जाने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी विशाख जी0 द्वारा जनपद कानपुर नगर में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित एलिवेटेड रिंग रोड के निकट विभिन्न प्रकार के उद्योगों एवं आवासीय सुविधाओं को विकसित करने हेतु कानपुर विकास प्राधिकरण, आवास विकास परिषद, यूपीसीडा, एयरपोर्ट से संबंधित अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श हेतु एक बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रस्तावित रिंग रोड के एलाइमेंट के निकट औद्योगिक एवं आवासीय सुविधाओं को विकसित किये जाने हेतु अपने स्तर पर योजनाओं को तैयार किया जाए तथा विस्तृत विचार-विमर्श हेतु परियोजनाओं का एक ड्राफ्ट तैयार कर तीन सप्ताह में बार पुनः बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए। प्रस्तावित एलिवेटेड रिंग रोड के विभिन्न एंट्री/एग्जिट के दृष्टिगत कनेक्टिविटी सुनिश्चित किये जाने हेतु परियोजनाएं तैयार किये जाने हेतु ढहऊ को निर्देशित किया गया।

## श्रम विभाग की नया सवेरा योजना के अंतर्गत बाल संरक्षण जन जागरण कार्यक्रम

संवाददाता

**गोंडा।** ब्लॉक कटरा बाजार के ग्राम पंचायत महापारा में श्रम विभाग द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से संचालित सवेरा योजना के अंतर्गत बाल श्रम, बच्चों की तस्करी, बाल विवाह और हिंसा उन्मूलन हेतु जनजागरण कार्यक्रम के नवें दिन वृहद स्तर पर जनजागरण कार्यक्रम सपनो की उड़ान के अन्तर्गत संस्कार संस्था कानपुर द्वारा ग्राम पंचायत के 2 मजरा महापारा और निबिहा में पहुंच कर डोर टू डोर सर्वे करने का कार्य ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ओम कुमार तिवारी, प्राथमिक विद्यालय महापारा प्रधानाध्यापक राम कृपाल

शुक्ला, अध्यापक सतीश कौशल, पंचायत सहायिका सरिता, आंगनबाड़ी कार्यकत्री विट्टी देवी, सफाई कर्मी अर्जुन प्रसाद और एक्शन ऐड राजेश के नेतृत्व में किया। ग्राम पंचायत में बाल श्रम, बाल विवाह और स्कूल चलो के लिए नुकड़ नाटक और गीतों के माध्यम से जागरूकता की गई। बच्चों के लिए शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, महिला और बाल कल्याण विभाग, समाज कल्याण विभाग और बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओ के जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक राम कृपाल शुक्ला ने बच्चों के शिक्षा के महत्व को बताते हुए, बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजने के लिए और बाल श्रम न करवाने के लिए अभिवाहक के प्रेरित किया। पंचायत साहियका सरिता ने बताया पंचायत भवन से सभी योजना की जानकारी ली जा सकती है और योजना का आवेदन भी ऑनलाइन जल्द ही शुरू हो जाएगा। अनिल कुमार मंडलीय रिसोर्स पर्सन यूनिसेफ देवीपाटन ने बच्चों को खेल के माध्यम से बाल श्रम और बाल विवाह के लिए जागरूक किया। इस मौके पर श्रम विभाग, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायती राज्य विभाग, स्वास्थ विभाग और बाल विकास पुष्टाहार विभाग के कर्मचारी गण उपस्थिति रहे।

## फरार सपा विधायक इरफान सोलंकी ने भाई समेत कमिश्नर कानपुर के सामने किया समर्पण

संवाददाता

कानपुर । आज यहां सोमवार को भूखंड विवाद को लेकर महिला की झोपड़ी जलाने के आरोप में मुकदमा दर्ज होने के बाद भाई रिजवान सोलंकी सहित फरार चल रहे समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी ने पुलिस कमिश्नर कानपुर बीपी जोगदंड के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद न्यायिक हिरासत में उन्हें जेल भेज दिया गया । दूसरी हो समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी के समर्थन में भारतीय जनता पार्टी के सांसद सत्यदेव पचौरी भी मैदान में उतर आए थे और उन्होंने इस प्रकरण में जमकर नाराजगी भी जाहिर की थी । इस दौरान कमिश्नर आवास पर विधायक सोलंकी की पत्नी और बच्चे भी मौजूद रहेक वह यहां समाजवादी पार्टी के विधायक अमिताभ बाजपेई और मोहम्मद रूमी के साथ कमिश्नर बीपी जोगदंड के आवास पर पहुंचे थे` विधायक के साथ उनकी पत्नी नसीमा और बच्चे भी मौजूद रहे। अवगत कराते चलें कि सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी पर एक विवादित प्लॉट पर बनी झोपड़ी में आग लगाने के आरोप लगे थे। जिसके बाद दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर इस मामले में सपा एमएलए इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी के खिलाफ जाजमऊ थाने में गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी। या मुकदमा दर्ज होने के बाद ही विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी फरार हो गए थे, जिसके फलस्वरूप पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही थी। पुलिस ने गिरफ्तारी का प्रयास तेज करते हुए विधायक और उनके भाई के खिलाफ एनबीडब्ल्यू ही प्राप्त कर लिया था । इसके बाद इरफान ने जिला जज की अदालत में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी। कुल मिलाकर कानपुर कमिश्नरेट पुलिस सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी की बीते करीब 3 सप्ताह से अरेस्ट नहीं कर पा रही थी। जिसकी कमिश्नरेट पुलिस कठघरे में आ गई थी। इसलिए पुलिस ने सपा विधायक के रिश्तेदारों और करीबियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था। इसी क्रम मेंपुलिस ने बीते सोमवार को सपा नेत्री नूरी शौकत को पूछताछ के लिए उठाया था। अगले दिन इरफान की चचेरी बहन उजमा सोलंकी को पूछताछ के लिए उठाया था। जिस भूखंड को लेकर समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी पर मुकदमा दर्ज कराया गया । वह जाजमऊ थाना क्षेत्र स्थित डिफेंस कॉलोनी में रहने वाली बेबी नाज का है। यह प्लाट बेबी नाज के पिता का था। पिता के निधन के बाद इस प्लाट पर बेबी नाज अपना कब्जा है। बेबी का परिवार प्लाट में टूर और छप्पर डालकर रहता है। बेबी मूलरूप से प्रयागराज की रहने वाली हैं। बेबी नाज ने आरोप लगाया था कि सपा विधायक और उनके भाई प्लाट पर कब्जा करना चाहते थे। बीते 7 नवंबर को परिवार के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। इसी बीच विधायक और उनके भाई ने झोपड़ी में आग लगा दी थी।

## केन्द्र सरकार की नीतियों के विरुद्ध श्रम महासंघों ने राष्ट्रपति को संबोधित 17 सूत्रीय ज्ञापन सौप

संवाददाता

कानपुर। सर्वोदय नगर स्थित अपर श्रमायुक्त कार्यालय परिसर में धरना देकर सभा को संबोधित करते हुए केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच के नेताओं ने कहा कि श्रम महासंघों के देशव्यापी आह्वान पर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन अपर श्रमायुक्त के माध्यम से दिया जा रहा है क्योंकि केन्द्र सरकार ने कारपोरेट घरानों के हितों के अनुसार नये श्रम

कानूनों को जबरन मजदूर पर लादा जा रहा है। सरकार कारोबार सुगमता के नाम पर मौजूदा श्रम कानूनों को समाप्त कर दिया गया है। इस प्रक्रिया में 75 फीसदी श्रमिकों को श्रम कानूनो के दायरे से बाहर कर दिया गया है। भारत सरकार द्वारा देश की संपदाओं की बिक्री किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि देश की विकास की रीढ़ के रूप में काम करने वाले असंगठित क्षेत्र के मजदूरों का बुरा हाल है क्योंकि सरकार की आर्थिक नीतियों तथा करोना आपदा की मार के कारण अधिकतर औद्योगिक प्रतिष्ठान कमजोर हो चुके हैं या पूर्णरुप से बंद हो चुके हैं। जिससे मजदूर वर्ग भुखमरी का शिकार हो गया हैं।संयुक्त मंच ने 17 सूत्रीय मांगों के माध्यम से मांग की है कि सभी श्रम विरोधी कानून रद्द किए जाएं और किसान हित में न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू किया जाए। सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियो को जबरन रिटायर करने वाले कानून वापस किए जायें। निजीकरण, निगमीकरण की नीति पर रोक लगायी जाए। दैनिक न्यूनतम मजदूरी रु० 1000 घोषित किया जाए। निर्माण मजदूरों को ईएसआई, मुफ्त आवास मुफ्त शिक्षा एवं चिकित्सा का प्रावधान लाया जाए। कार्यस्थल पर महिला श्रमिकों की सुरक्षा की गारंटी दी जाए। 15वें भारतीय श्रम सम्मेलन 1984 में न्यूनतम मजदूरी का मानक निश्चित किया जाए ।

सभा को सर्वश्री पी०एस० बाजपेयी, असित कुमार सिंह, कुलदीप सक्सेना, राजीव खरे, राणा प्रताप सिंह, आर०डी० गौतम, एस०ए०एम० जैदी, मीनाक्षी सिंह, गौरव दीक्षित, अशोक तिवारी, मो0 नाजिर, विजय शुक्ला, कमल चतुवेर्दी, राजेश सिंह, जगदीश यादव, उमेश शुक्ला, विजय कुमार, राजेश शुक्ला, उमाकांत, विनोद पाण्डे, ओम प्रकाश, शाह। चन्त शर्मा, देवेन्द्राट, शेषनाथ , इत्यादि लोग रहे!

## संक्षिप्त

### पिपरा नदी पार के रहने वाले पत्रकार मोहम्मद इरफान गाजी के पिता सगीर अहमद पर किया गया जानलेवा हमला

संवाददाता

**थाना** फूलबेहड़ के अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरा नदी पार के रहने वाले सगीर अहमद आज सुबह करीब 9:00 बजे अपने खेत को देखने गए थे तभी विपक्षी गण देशराज मनोज संदीप सियाराम रंजीत सभी लोग सगीर अहमद के पड़ोस का खेत जुतवा रहे थे और उनकी मेढ जुतवा दिया जिसका सगीर अहमद ने विरोध किया विपक्षीगण गाली गलौज और झगड़ा करने लगे सगीर अहमद केवल अकेले थे विपक्षी गढ चार पांच लोग थे और उनके हाथों में डंडा हशिया बाका विपक्षी गणों ने वार कर दिया जिससे हंसिया सगीर अहमद के हाथ में लगा दूसरा प्रहार गर्दन पर किया लेकिन किसी तरीके से बच गए और विपक्षी गढो ने उनको दौड़ा लिया उन्होंने जान से मारने की धमकी दी किसी तरह जान बचाकर भागे और अपनी जान बचाई।

### आजम खां क्यों रो रहे है कि उनके साथ अन्याय हुआ है अपने किए की सजा मिलनी वह मिल रहीं हैं: योगी आदित्यनाथ

संवाददाता

**रामपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बार-बार हो रहे उपचुनाव से रामपुर का विकास बाधित हो रहा है। इसलिए, मैं यह आहवान करने के लिए रामपुर आया हूं कि आप लोग रामपुर को बार-बार हो रहे उपचुनाव से मुक्ति दिलाइए और रामपुर को विकास के पथ पर आगे बढाइए। यही आहवान करने के लिए मैं रामपुर आया हूं। बोले जब सरकार ने धर्म और जाति के नाम पर रामपुर के विकास में भेदभाव नहीं किया, तो आप लोग वोट देने में ऐसा क्यों करते हो। आखिर क्या कारण है कि जो रामपुर देश की आजादी में अग्रणी भूमिका निभाने वाला था, जिसकी जमीन उर्वरा शक्ति से भरपूर थी, उस रामपुर की पहचान कैसे समाप्त हो गई। वो कौन लोग थे, जिन्होंने रामपुर की पहचान को समाप्त किया। उन अवसरवादी चेहरों को अब मौका देना छोडिए और रामपुर से भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना को जिताइए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अजीतपुर स्थित मैदान में भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सपा नेता आजम खां का नाम लिए बिना जोरदार हमला बोला। कहा कि सपा नेता बार-बार जनता के सामने वक्तव्य देते हैं कि उनके साथ अन्याय हुआ है। इस वक्तव्य से ज्यादा गुमराह करने वाला कोई वक्तव्य नहीं हो सकता। उन्हें न्यायालय ने मेरिट के आधार पर दोषी करार दिया है। इसी वजह से उन्हें सजा हुई है। न भाजपा और न ही किसी सरकार ने। यदि उस व्यक्ति के कर्म अच्छे होते और मंत्री रहते हुए उन्होंने संवेदनशीलता का परिचय दिया होता, तो उसे सजा नहीं होती। यदि उन्होंने ईमानदारी से काम किया होता, यहां के प्रतिष्ठानों पर कब्जा न किया होता, जनता के सुख दुख में साथ होते। बिना किसी भेदभाव के काम कराते, तो उनके साथ ऐसा नहीं होता। हम किसी राजकीय इंटर कालेज पर कब्जा नहीं होने दे सकते। सरकारी गेस्ट हाउस किसी के बाप की बपौती नहीं हो सकती। लोकतंत्र में जनता ही मालिक होती है। क्हा कि हमने सरकार की कल्याकारी योजनाओं का लाभ जनता को देने का कार्य किया है। क्या कोई सोचता था कि प्रत्येक नागरिक को हर घर नल योजना का लाभ मिलेगा। प्रत्येक नागरिक को आवास योजना का लाभ मिलेगा। लेकिन, ऐसा हुआ। इससे लोगों के जीवन में बडे बडे परिवर्तन हो रहे हैं। प्रदेश की ढांचागत सुविधाओं को मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे प्रधानमंत्री जनता को समर्पित कर चुके हैं। देश के सबसे बडे गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण शुरू हो गया है। छह-छह एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं। एयर कनेक्टविटी बेहतर हुई है।

### महिलाओं के विरुद्ध हिंसा तथा भेदभाव उन्मूलन के विषय में जागरूकता

संवाददाता

**बलरामपुर।** महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस तथा दिनांक 10/12/22को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर 25 नवंबर 2022 से 10 दिसंबर 2022 के मध्य 16 दिवसीय अवधि में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा तथा भेदवाद उन्मूलन के विषय में जागरूकता बढ़ाने तथा महिलाओं के समग्र विकास तथा सशक्तिकरण के साथ-साथ महिलाओं तथा बालिकाओं के बुनियादी मानव अधिकारों के प्रति मानव तस्करी एवं बाल श्रम के विषय में जागरूकता कार्यक्रम के दौरान थाना एएचटीयू टीम द्वारा एवम्, बालकल्याण अधिकारी उ0 नि0 सच्चिदानंद पांडे, बीट का0 अमित यादव और, एंटीरोमियों टीम म0 का0 प्रीति शर्मा,म0 का0 कोमल द्वारा थाना तुलसीपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वालें छपीया सुखरामपुर ग्राम में, ग्राम प्रधान, आशा बहू, एएनएम, अध्यापक एवम् ग्राम के अन्य सम्भ्रांत लोगो को एकत्र कर महिलाओं के विरुद्ध हिंसा,भेदभाव उन्मूलन, सशक्तिकरण और मानव अधिकारों के प्रति चौपाल लगाकर एवम् प्रोजेक्टर के माध्यम से लघु फिल्म दिखाकर जागरूक किया गया ।

### नया सवेरा योजना अंतर्गत बालश्रम जागरूकता अभियान

संवाददाता

**श्रावस्ती।** नया सवेरा योजना अंतर्गत चलाई जा रही बालश्रम जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज सातवे दिन विकास खंड इकौना के ग्राम पंचायत सेमरी तरहर में संस्कार संस्था के सदस्यों द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। संस्था के लोगो द्वारा बालश्रम,बाल विवाह, बाल हिंसा और बाल तस्करी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर जागरूक करने का प्रयास किया । संस्था के सदस्यों द्वारा बालश्रम और बाल विवाह पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर बालश्रम और बाल विवाह जैसे कुरीतियों के दुष्परिणाम से अवगत कराया। ग्राम प्रधान सेमरी तरहर श्री अमित कुमार ने अपने ग्राम पंचायत के लोगो से बालश्रम और बाल विवाह ना करने की अपील की। प्रधानाचार्य कंपोजिट विद्यालय सेमरी तरहर श्री संदीप कुमार सक्सेना ने ग्राम पंचायत के लोगो से अपने बच्चों को प्रत्येक दिन विद्यालय भेजने की अपील की। अभियान में ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक, आंगनवाड़ी,आशा बहु, अध्यापक तथा ग्राम पंचायत के अन्य प्रभावशाली लोगों ने प्रतिभाग किया।